



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 3, 1977 (भाद्रपद 12, 1899)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 3, 1977 (BHADRA 12, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० आर० 10/71-प्रशासन-5—निर्वतन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री आर० जगन्नाथन, कार्यालय अधीक्षक, जोन-2 केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिनांक 1-8-77 के पूर्वाह्न में कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

पी० एस० निगम

प्रशासन अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 10 II-1040/76 ईएमटी०—राष्ट्रपति, डाक्टर एम० श्रीनिवासा रेडी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कंपनी कमाण्डर) के पद पर उनको 27 जून 1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बंधोपाध्याय

महायक निदेशक प्रशासन

1-226 जी० आई०/77

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० पी०/एस०-(I) प्रशा-I—राष्ट्रपति, मणिपुर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषण श्री एम० तेज किशोर सिंह को, श्री एन० जोगेन्दर सिंह के तारीख 26 जुलाई, 1977 से ता० 23 सितम्बर 1977 तक छुट्टी पर जाने से, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर मन्त्र्य नियुक्त करते हैं।

ब्रवी नाथ

भारत के उप महापंजीकार और पदेन उप सचिव

वित्त आयोग

नई दिल्ली-110011, 29 जुलाई 1977

सं० 7 एफ०ए०सी० 2(9)-ए०/77—श्री आर० एन० जैन, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी की योजना आयोग में उनका स्थानान्तरण होने पर 23 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश जारी होने तक सातवें वित्त आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य

शर्तों पर 1100-1600 रु० के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 5 अगस्त, 1977

सं० 7 एफ० सी० 2(15)-ए०-77—अनुसंधान अधिकारी श्री वेंकटरामन को, योजना आयोग से उनका स्थानान्तरण होने पर सातवें आयोग में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 700-1300 रु० के वेतन मान में 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न में अगला आदेश जारी होने तक अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 7 एफ० सी० 2(17)-ए०-77—श्री आर० के० दर, आई० ए० एम्०, संयुक्त सचिव को योजना आयोग से उनका स्थानान्तरण होने पर सातवें वित्त आयोग में 21 जुलाई, 1977 के अपराह्न से अगला आदेश जारी होने तक संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० एल० सकरवाल, प्रवर सचिव

#### भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, बिहार का कार्यालय

रांची, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० ओ० ई०-I-आडो०-1950—महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री मृत्युंजय कर्मकार, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 7-6-1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

सं० ओ० ई०-I-आडो०-1957—महालेखाकार, बिहार, अपने कार्यालय के श्री उपेन्द्र नाथ सिन्हा, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 1-6-1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

ह०/-अपठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) बिहार

महालेखाकार का कार्यालय कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० स्थापना 1/ए० 4/77-78/398—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बंगलूर के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के उनके नाम के आगे लिखित दिनांक से स्थायी क्षमता में लेखा अधिकारियों के पद में नियुक्त किया गया है।

1. श्री के० क्रिष्णमूर्ति (2)-1-6-1977
2. श्री टी० सि० क्रिष्णमूर्ति-1-7-1977

एस० सि० बानर्जी, महालेखाकार

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० 2427/ए० प्रसासन/130/77—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	तिथि
(1)	सर्वश्री एम० एस० सुन्दराजन	13-4-76
(2)	सर्वश्री वाई० सत्करन	16-6-76

के० बी० दास भौमिक, वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1977

सं० सी० ई० आर० 6/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ।

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तंभ 2 में क्रम संख्या 3 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

- |                            |   |
|----------------------------|---|
| (1) संयुक्त निदेशक उद्योग  |   |
| (2) अनुसंधान अधिकारी       |   |
| (3) उप-निदेशक उद्योग       |   |
| (4) सहायक निदेशक उद्योग    | उद्योग अधिकारी/गण                           |
| (5) निरीक्षक उद्योग        | वे चाहे किसी भी पदनाम से अभिहित किये गए हों |
| (6) उप-निरीक्षक उद्योग     |   |
| (7) निदेशक उद्योग एवं श्रम |   |
- दिल्ली प्रशासन

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

( प्रशासन अनुभाग 1 )

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० प्र० 1/1(1045) :—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में

अवर सचिव प्रगति अधिकारी सर्वश्री राम किशन एवं बलबीर सिंह को दिनांक 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. सर्वश्री राम किशन एवं बलबीर सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर धीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

कीरत सिंह  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मन्त्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० ई०-3(1)/74(.)—लोहा और इस्पात नियंत्रण एतद्द्वारा तदर्थ रूप में श्री ई० पी० नारायण को 8-8-1977 के दिवस प्रहर से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न सेवा के लिये नियुक्त करते हैं।

एस० एन० विश्वास  
संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 4248 बी०/3(7)/71 (एस० के० एम०)/19 बी०—श्री सुरेन्द्र कुमार मंगला को सहायक यांत्रिक इंजीनियर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740 35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के न्यूनतम वेतन मान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० के० एस० वरदान  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० ए०-19011(21) 70-स्था० ए०—श्री एल० जी० लधाटे उप खान नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 6 जून 1977 के पूर्वाह्न के आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न क्षेत्रीय खान नियंत्रक के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एल० सी० रणधीर  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० एफ० 20 (सी०-15) 10/74-ए०-1—श्री अमिया प्रसाद मंडल स्थानापन्न माइक्रोफोटोग्राफिस्ट ने राष्ट्रीय अभिलेखागार की सेवा से त्याग दे दिया है। उन्हें 30 जुलाई 1977 के (अपराह्न) से मुक्त किया जाना है।

सं० एफ० 11/2-1/75-ए०-1—श्री हरी सिंह यादव, वज्ञानिक अधिकारी, राष्ट्रीय अभिलेखागार की सेवा से त्याग दे दिया। उन्हें 30 जुलाई, 1977 (अपराह्न) से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 12 अगस्त, 1977

सं० एफ० 11-14/76-ए०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्द्वारा कुमारी कृष्णा चौधरी, सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड 2 (सामान्य) और स्थानापन्न सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 (सामान्य) को तदर्थ आधार पर 11 अगस्त 77 के (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० एफ० 11-14/76-ए०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्द्वारा श्री एस० के० खत्री, सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड 1 (सामान्य) को, 11 अगस्त 1977 के (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ह० अठनीय  
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 4/42/77 एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री राजीव लक्ष्मण गोखले को आकाशवाणी, पुणे में 27 जुलाई, 1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्ध किशोर भारद्वाज  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० सी० 14013/1/77 भण्डार-I—केंद्रीय चिकित्सक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 19 (II) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए श्री पी० सी० कपूर उप महानिदेशक (भण्डार) ने 4 जून 1977 के आदेश संख्या सी० 14013/6/77 ए०वी० के अनुसार सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो करनाल के वरिष्ठ पैकर श्री ब्रामदेवन नायर को नौकरी से बरखास्त कर दिया।

संगत सिंह  
उप निदेशक प्रशासन (भण्डार)

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० ए० 12023/4/77 (एच० क्यू०) प्रशासन-I—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती लिल्ली मधोक के छुट्टी चले जाने पर कुमारी बीना मेहन्दीरता को 7 अप्रैल, 1977 पूर्वार्द्ध से 21 जुलाई, 1977 तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ आहारविद् (होम इकोनोमिस्ट) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. कुमारी बीना मेहन्दीरता ने 21 जुलाई, 1977 अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ आहारविद् (होम इकोनोमिस्ट) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० 9-34/75 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) उर्मिला गौतम को 23 जुलाई, 1977 पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, 2-पाटलीपुत्र कालोनी, पटना में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 11017/1/76 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० माधवन को 8 जुलाई, 1977 पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नागपुर में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० आर० के० पिरुलई, आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) को 8 जुलाई, 1977 पूर्वार्द्ध से कार्यभार से मुक्त किया गया था।

सं० ए० 11017/1/76-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी की 14 जुलाई, 1977 पूर्वार्द्ध से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य नागपुर में आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

2. डा० (श्रीमती) उर्मिला गौतम, आयुर्वेदिक कार्य-चिकित्सक (तदर्थ) ने 4 जुलाई, 1977 पूर्वार्द्ध से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एस० भाटिया  
उप निदेशक प्रशासन

राष्ट्रीय वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 14-39/74-प्रशासन—श्री मैसम मोधूचन्द्र सिंह, जोकि मनीपुर प्रशासन वन विभाग में सहायक वनपाल हैं, को 18-7-1977 की पूर्वाह्न से वन साधनों के निवेशपूर्व सर्वेक्षण, मग्भंग, भूटान में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर सहायक वनपाल नियुक्त किया जाना है।

रोमेश चन्दा  
मुख्य संयोजक

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 17 जून 1977

सं० 5/1/77/स्था० 11/2295—भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के नियंत्रक निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी हुई अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम और पद	अवधि	टिप्पणियाँ
	सर्वश्री		
1.	अनंत काशीनाथ काले सहायक	18-3-77 से 30-4-77 तक	श्री एच० जे० मजमून- दार, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
2.	एम० के० सुरेन्द्र राव उच्च श्रेणी लिपिक	25-4-77 से 27-5-77 तक	श्री जे० रामामूर्ति सहायक कार्मिक अधि- कारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
3.	मुकुंडचंद्र सुन्दरलाल भट्ट, सहायक	2-5-77 से 4-6-77 तक	श्री पी० पी० पाह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
4.	दत्तात्रेय शंकर इंगले सहायक	4-5-77 से 10-6-77 तक	श्री पी० सुकुमारत, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
5.	के० आर० चन्द्रन पिल्लै, सहायक	21-3-77 से 13-5-77 तक	श्री सी० जी० सुकुमारन सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 1 अप्रैल 1977

सं० आर०/1031/सिविल ई० डी०/स्था० 11/1252  
--निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने श्री गोविन्दपट्ट्या-  
पालम रामनाथन रामचन्द्रन, वैज्ञानिक अफसर/इंजीनियर  
(एस० बी०) का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 27-1-77 अपराह्न  
से स्वीकार कर लिया है।

श्री रामचन्द्रन ने अपने पद का कार्यभार दिनांक  
27-1-1977 अपराह्न से छोड़ दिया और उन्हें 28-1-1977 से  
2-3-1977 तक 34 दिन का सेवान्त अवकाश (सेवान्त  
लाभ) प्रदान किया गया।

एम० के० एस० सुब्रमनियन  
उप-स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 30 जून 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/2736--भाभा परमाणु अनु-  
संधान केंद्र के नियंत्रक, स्थानापन्न सहायक श्री पी० के०  
माधव कुरुप को इसी अनुसंधान केंद्र में तारीख 27-1-  
1977 से 6-3-1977 तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक  
अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/77/स्था० II/2737--भाभा परमाणु अनु-  
संधान केंद्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री बी० डी०  
टिल्लू को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० मुकुन्दन, जिन्हें  
छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 6-12-1976 से  
6-1-1977 तक इसी अनुसंधान केंद्र में स्थानापन्न सहायक  
कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यह इस अनुसंधान केंद्र के दिनांक 7 फरवरी 1977 की  
अधिसूचना क्रमांक 502 का स्थान लेता है।

दिनांक 13 जुलाई 1977

सं० के०/947/स्था० II/2993--श्री एम० जी०  
कानिक, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक जो भाभा परमाणु  
अनुसंधान केंद्र में एक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी  
थे, अधिवर्षिता की आयु अर्थात् 58 वर्ष के हो जाने पर  
30 जून 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त  
हो गये।

दिनांक 26 जुलाई 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/3156--भाभा परमाणु अनु-  
संधान केंद्र के नियंत्रक निम्नलिखित अधिकारियों को उनके  
नाम के आगे लिखी हुई अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक  
कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :--

क्र०	नाम और पद	अवधि	टिप्पणियाँ
सं०			
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	जे० बी० नाइक सहायक	4-5-77 से 2-7-77 तक	श्री ए० ए० नाइक, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

1	2	3	4
2.	बी० बी० भागुंडे सहायक	16-5-77 से 24-6-77 तक	श्री एन० एल० वेन्कि- टेश्वरन, प्रशासनिक अधिकारी II उनकी पदोन्नति पर।
3.	के० एम० नायर प्राशुलिपिक (वरिष्ठ)	16-5-77 से 24-6-77 तक	श्री सी० वी० पंडसे, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
4.	आर० वेसिकाचारी प्राशुलिपिक (वरिष्ठ)	30-5-77 से 8-7-77 तक	श्री टी० एस० परमेश्व- रन, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।
5.	एस० टी० ओचानी उच्च श्रेणी लिपिक	29-10-76 से 15-1-77 तक	श्री पी० बी० पमतानी, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है।

दिनांक 27 जुलाई 1977

सं० 5/1/77/स्था० II/3184--इस प्रभाग की तारीख  
20 जनवरी 1977 की अधिसूचना क्रमांक 284 के आगे,  
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, के नियंत्रक, श्री जी० एल०  
श्रीवास्तव, सहायक को, इसी अनुसंधान केंद्र में तदर्थ आधार  
पर 25 जनवरी 1977 से 25 फरवरी 1977 की अतिरिक्त  
अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त  
करते हैं।

पी० एस० वेकटसुब्रमनियन  
उप-स्थापना अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 22 जुलाई 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(282)/76-प्रशा०-10120--  
इस विभाग की तारीख 1 अप्रैल, 1977 की समसंख्यक अधि-  
सूचना को अधिकांत करते हुए, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग,  
बम्बई के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी  
लिपिक और स्थानापन्न लेखाकार श्री एम० श्रीनिवासन को, इसी  
प्रभाग में 19 मार्च, 1977 के पूर्वार्त्त से अगले आदेश तक, रु० 650-  
30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न  
सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी० एल० गर्ग  
मुख्य प्रशासन अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 25 जुलाई 1977

सं० रापविप/भर्ती/7(2)/77/692—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखाकर श्री एम० सी० गुप्ता को इसी परियोजना में तारीख 3-6-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी तौर से सहायक लेखाकर अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1977

सं० ए०-31016/3/77-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० सी० जौहरी को 1-7-1977 से नागर विमानन विभाग में स्थायी रूप से प्रशासन-अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन  
महानिदेशक नागर विमानन

## विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० 1/358/77-स्था०—श्री व्ही० जे० मणी, तकनीकी सहायक, बम्बई शाखा को 11-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/431/77-स्था०—श्री आर० के० आनंद, तकनीकी सहायक, नई दिल्ली शाखा को 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/432/77-स्था०—श्री राजीन्द्र सिंह, तकनीकी सहायक, देहरादून शाखा को जो 16-5-77 से उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किये थे 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किये जाते हैं।

पु० ग० दामले  
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० 1/407/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद द्वारा कलकत्ता शाखा के ज्येष्ठ फौरमेन, श्री

ए० के० सहा को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 11-4-77 से 8-7-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैकेनिशियन नियुक्त किया जाता है।

एम० एस० कृष्णस्वामी  
प्रशासन अधिकारी  
महानिदेशक

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 33/12/73-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री आर० के० गांगुली की, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 12-7-1977 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री गांगुली 12-7-77 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखे जाते हैं।

श्री गांगुली, वरिष्ठ वास्तुक (पूर्वी अंचल), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता में तैनात किए जाते हैं।

डी० पी० ओहरी  
प्रशासन उपनिदेशक

## पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० ए० सी० /90/पी० ओ० /भाग I—श्री आर० के० दास, स्थानापन्न प्रवर कार्मिक अधिकारी (कल्याण)/कलकत्ता को 1-11-75 से सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में II श्रेणी सेवा में स्थायी किया जाता है।

वी० सी० ए० पद्मनाभन  
महा प्रबन्धक

## विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

अहमदाबाद-380009, दिनांक 11 अगस्त 1977

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना मेसर्स पोलीम्टील्स (इन्डिया) लिमिटेड के विषय में।

सं० /1678/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 31/1975 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 1-7-1977 के आदेश द्वारा मेसर्स पोलीम्टील्स (इन्डिया) लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाय  
मंडल पंजीयक गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 के अन्तर्गत और ई० एम० सी० वर्क्स लिमिटेड कानपुर के सम्बन्ध में।

कानपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० 727/2/2666-लिकयुजेशन—यह कन हाई कोर्ट इलाहाबाद दिनांक 18-5-77 जो कि कम्पनी पेटिशन नम्बर 9 वर्ष 1976 के अनुसार हुआ है।

ई० एम० सी० वर्क्स लिमिटेड कानपुर के कार्यों को बन्द किया जाता है और उनके कार्यों की देख-भाल आफिसियल लिकयुजेशन उत्तर प्रदेश इलाहाबाद को सौंप दिया गया है।

आर० के० लाल  
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
उत्तर प्रदेश, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं डान्कीन्सन एण्ड पारेख  
(इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1977

सं० 13221/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जन्कीन्सन एण्ड पारेख (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मेडीएट सर्विस प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

बम्बई, 5 अगस्त 1977

सं० 13286/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेडीएट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पारेख डार्डिंग एण्ड प्रिंटिंग  
वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, 5 अगस्त 1977

सं० 14988/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख डार्डिंग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

व्ही० वाय० राणे  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मरुधर उद्योग  
सम्पदा लिमिटेड, राजेन्द्रनगर तीखी  
के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

सं० सांख्यिकी/1207—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मरुधर उद्योग सम्पदा लिमिटेड, राजेन्द्रनगर, तीखी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्ट्रार से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

राम दयाल कुरील  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिन्सार रसम कम्पनी  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० डी० एन०/1697/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मिन्सार रसम कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्रिटिश इंडिया स्टिम  
नेविगेशन कं० इण्डिया प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० 7889/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्रिटिश इण्डिया स्टिम नेविगेशन कं० इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भैरव इंजीनियरिंग  
इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 26342/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भैरव इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० एस०  
इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 28431/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि के० एस० इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 सेडेलस इण्डिया प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, 11 अगस्त 1977

सं० 29742/56(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 56 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेडेलस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण

वर्जित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० सी० नाथ  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा नेशनल सिण्टीकेट (असम)  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० जी० 79/560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल सिण्टीकेट (असम) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० के० मंडल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा,  
नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० एम० ए० सी०/ए० सी० ब्यू०/43/77-78—

यतः मुझे एच० सी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1555 सं० नं० 1/14 है तथा जो इनवारी नागपुर, वार्ड नं० 36/21, जहीद चौक, इनवारी, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल शिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन शिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-226GI/77

1. श्रीमती चंद्राबाई, पत्नी फूलचन्द जी सेठी,  
रा० खुरई, त० जिला सागर (म० प्र०

(अन्तरक)

2. श्री पुरुषोत्तम मोतीलाल जी साठू

3. श्री राजेन्द्रकुमार हिरालाल नाबू,

दोनों सं० नं० 9/14, जहीद चौक,

इनवारी नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में छिप-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1555 सं० नं० 9/14, वार्ड नं० 36/21,  
जहीद चौक, इनवारी, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 अगस्त 1977

सं० ए० पी०/22—यतः मुझे, पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दी है तथा जो कोहारवाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसंत सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह  
गांव कोहार वाला, जिला फरीदकोट ।  
(अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह, सुपुत्र श्री मुन्दर सिंह वासी कोहारवाला,  
जिला फरीदकोट ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

24 कनाल जमीन जोकि गांव कोहारवाला में है । जैसा कि रजिस्ट्री नं० 938 तारीख 13-6-77 में है ।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 10-8-77  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 अगस्त, 1977

निदेश सं० ए० पी०/21/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िम्मे मं० प्लॉट जैसा कि विलेख नं० 4172 तारीख 24-1-1977 में है तथा जो नवां शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्रीमती दर्शनाकुमारी सुपुत्री अमृतलाल ,  
नवां शहर

(अन्तरक)

2. डा० महिन्द्र कुमार सैनी, सुपुत्र श्री हरीचन्द  
रेलवे रोड, नवां शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 कनाल धरती नवां शहर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4172  
दिनांक 24-1-77 में है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 10-8-77

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1977

निदेश सं० 40/डी०ई०सी०/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 231 है, जो कोडकानल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडकानल (पत्र सं० 534/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मरियरत्नम

(अन्तरक)

2. श्री विजय रघुनाथ तोन्डमान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडकानल, एस० सं० 231 में 50.34 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रंज, मद्रास

तारीख 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्रीमती एम० ए० रहीला श्री,

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निवेश सं० 29/डीईसी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारियों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है, जो बेंकटस ग्रामनि स्ट्रीट, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 975/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ताः—

2. श्री मुनावर हुसैन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-2, बेंकटस ग्रामनि स्ट्रीट, डोर सं० 39, में 1410 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एम० जम्बुलिगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. तैबाली एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

3. जेनरल एन्जीनियरी, स्टोरस

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निर्देश सं० 30/डीईसी/76-77—यनः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 303 है जो लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, (पत्र सं० 4691/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, डोर सं० 303 में 2356 स्कवायर फीट की भूमि में आधा भाग (और मकान के साथ फर्स्ट फ्लोर)।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० एम० उमापति,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. तैबानी एण्ड सन्स।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० 31/डीईसी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 303 है जो लिंगि चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र  
सं० 4692/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1 लिंगि चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 303, में 2356  
स्क्वायर फीट की भूमि में आधा भाग (और मकान में  
ग्राउण्ड फ्लोर)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती आर्वे अम्माल और आदि।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. (1) श्री ए० बास्करन और

(2) श्री ए० सुरेशकुमार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 45/डीईसी/76-77—यतः मुझे, के० पोन्न  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 362/2 और 1 है, जो करगट्टानकुलम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिन्नमनूर  
(पत्र सं० 2189/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1980 का 16) के अधीन 22-12-1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

चिन्नमनूर करगट्टानकुलम, सर्वे सं० 362/2 (6.60 एकड़)  
और 362/1 (2.16 एकड़) में 8.72 एकड़ खेती की भूमि।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात:—

तारीख: 16-8-1976

मोहर:



प्रमाण प्राप्ति टी० एन० एस०-----

1. श्री उमा अन्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० रामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. श्री डी० वी० राव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निदेश सं० 8/डी०ई०सी०/76-77—यतः मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एन० सं० 2486, 2487/1, 2, 3, 4 ए, और 4 बी, है, जो वीसालाक्षी पुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम, (पत्र सं० 2430/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मदुरै, तल्लाकुलम, वीसालाक्षीपुरम, टी० एन० सं० 2486 और 2487/1, 2, 3, 4 ए और 4 बी में 2 ग्राउन्ड की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, -1, मद्रास।

तारीख : 16-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त 1977

निदेश सं० 32/डी० ई० सी०/76-77—यतः, मुझे,  
जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है, जो अगंप्पनायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र  
सं० 4715/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27 दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके वचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सैफुद्दीन दाऊद भाई  
(2) श्रीमती कुबरा भाई  
(अन्तरक)
2. श्रीमती सकीना भाई सैफुद्दीन और श्रीनी भाई ।  
(अन्तरिती)
3. (1) दर्शक लिमिटेड,  
(2) शबीर ए० तोडगर,  
(3) शबीर एम० ए० हाजी  
(4) कुलसम भाई,  
(5) शबीर सैफुद्दीन  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1 अगंप्पनायकन स्ट्रीट, (आर० एस० सं० 4441)  
डोर सं० 35 में 2007 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के  
साथ) में अभिन्न आधा भाग ।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 16-8-1977  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री यू० वासुदेव राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कुल भूशन और आदि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

3. (1) श्री जन्द्रा राजन्सीस

(2) पी० कन्नैया एण्ड को०

(3) डीसलस और ट्रैक्टर्स

(4) रामकृष्ण कारपोरेशन

(5) सैन्ट्रल बैंक आफ इंडिया

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश अ० 15/डीईसी/76-77—यतः मुझे, जी० रामानाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 7, 8 और 9 एरबालु चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1  
है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मद्रास, (पत्र सं० 4536/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, डोर सं० 7, 8 और 9, एरबालु चेट्टी स्ट्रीट  
और 324, तम्बु चेट्टी स्ट्रीट में एक आउन्ड और 195 स्कवायर  
फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. पेरिम सामि चिन्ताननजपान्डीयन और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जानकी अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 46/डीइसी/76-77—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 447/1 है, जो सेंगोट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेंगोट्टे (पत्र सं० 2482/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तिरुनेलवेली जिला, सेंगोट्टे गांव एस० सं० 447/1 में 4 80 एकड़ की भूमि।

जी० रामनाथन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1977

निर्देश सं० 39/डी०ई०सी०/76-77---यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 218 और 219 है, जो में स्थित है (और इससे उपावह अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोलकर (पत्र सं० 1708/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्णितों, अर्थात् :--

1. श्रीमती एम० सी० एस० असीमा सुलतान बीबी (अन्तरक)

2. श्री ए० जावीद हुसैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामनाथपुरम, जिला नूर सिंहगूर, गांव एस० सं० 218 (6.41 एकड़) और 219 (4.09 एकड़) में 10.50 एकड़ की भूमि।

जी० रामानाथन,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. गीता सिल्क और सारी बाजार,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

2. गीता सिल्क काट मिरचेंट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600008

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

मद्रास-600008, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निदेश सं० 3763/76-77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 31 और 32 है, जो एन० सी० बी० रोड  
तिरुचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जे० एम० आर०-III तिरुचि, (डॉकुमेंट 2197/76) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 4 दिसम्बर, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तिरुचि, एन० एस० बी० रोड, डोर सं० 31 और 32 में  
भूमि और मकान।

के० पोन्नन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 16-8-77

मोहर :

प्रारूप आर्डि० टी० एन० एम०—

1. श्री एम० कन्दसामि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती पयोल मेरि जोसेत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-800008, दिनांक 9 अगस्त, 1977

निदेश सं० 3757/76-77—यतः मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 8, कामराज नगर, है जो पान्डिचेरि में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पान्डिचेरी 'डाकुमेन्ट'  
1589/76 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरी, कामराज नगर, डोर सं० 8 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-8-77

मोहर

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मोहरः



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

1 वी० एन० बाधकृष्ण नायडू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एस० सूर्य कुमारी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1977

निदेश सं० 4178/76-77—यतः मुझे के० पोन्न  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० टि० एस० सं० 1399/1, 1399/2 और  
1400 भाग, जो अवनामि रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर 'डाकुमेण्ट 3011/76  
में' रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
विसम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से बधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, अवनामि रोड, नया टी० एस० सं० 1399/1,  
1399/2 और 1400 भाग में 39 सेण्ट और 66 स्ववायर  
फीट (शेड, कुआं और मोटार के साथ)।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति :—

4—226G1/77

तारीख: 16-8-77

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०--

1. श्रीमती एन० प्रेमा

(अन्तरक)

घण्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री आर० राजगोपालन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 अगस्त, 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 4183/76-77--यतः मुझे के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० ओत्तकालमण्डपम गांव में 13.41 एकर  
जिसका एस० सं० 350 और 363 में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, किनकुट्ट (डाकुमेण्ट 716/76)  
में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
20-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

अनुसूची

ओत्तकालमण्डपम गांव में 13.41 एकर का भूमि जिसका  
एस० सं० 350 और 363।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री आर० जयरामन, मोहन (मैनर) और रवि (मैनर)  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(2) श्री ए० एम० अब्दुल करीम

(1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, साऊथ रोड, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 10 अगस्त 1977

निदेश सं० 5388/76-77—अतः मुझे, के० मोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 61, बेल्ल रोड, मद्रास 5 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार की कार्यालय, ट्रिलिफेन 'मद्रास' (डाकुमेंट  
558/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 9-12-76 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 के उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवा-  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 5, ट्रिलिफेन, बेल्ल रोड, डोर सं० 61 में 1105 स्क्वयर  
फीट का भूमि (मकान के साथ)

के० मोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-8-77  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

1. वो० लक्ष्मी मरस्वती, बन्वारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 411-अतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/8 एलूर रोड है, जो गुडिवाला में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, गुडिवाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (2908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वास्तव्यों, प्रतीति :--

2. (1) ओयन भोग नरसिंह, ब्रह्मस्वरराव
- (2) बी० देवेन्द्र प्रसाद
- (3) बि० राधाकृष्णमूर्ती
- (4) श्रीमती मागटि लक्ष्मी
- (5) पि० रंगोराव
- (6) पि० ब्रह्मम

श्री गौरी संकर लकीस, गुडिवाडी

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3894/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-1977

मोहर :

## प्रकृष आई०टी०एन०एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 412—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11-14-31 कोटापेटा है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) पि० वेंकट कृष्ण राव  
(2) पि० वेंकटा नाग सुरेश कुमार  
(3) पि० नागवेंकटा परमानन्द कुमार, विजयवाड़ा।  
(अन्तरक)
2. (1) श्री कालिदास जीवन दास या  
(2) श्री जयेंद्र कुमार कालिदास या  
(3) इन्दुमति जयेंद्र कुमार या  
(4) हेमन्त कुमार, विजयवाड़ा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पार्श्विक अंत 31-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3275/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज,  
काकिनाडा

तारीख: 8-8-77  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 413—यतः सुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 27-5-76 और 8 गवर्नर पेडा है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) टी० बी० जी० कृष्णामूर्ती
- (2) टि० बी० सेषा दमयन्ती,
- (3) टि० वि० ए० सुब्रह्मनयम,
- (4) टि० बी० विजयारका, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. (1) नीलम सुब्बागर
- (2) एन० राधा कृष्ण प्रसाद
- (3) एन० श्रीमन्नारायणा
- (4) एन० श्रीनिवासु
- (5) एन० वेंकटा महेश कुमार, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3263/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकिनाडा

दिनांक : 8-8-77

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 414—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 185/3 तथा 182/1 है, जो मेडपांडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मन्डपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पुष्पाडा नागेश्वरराव  
(2) पि० लक्ष्मी नरसिंहाराय राजमनन्नी ।  
(अन्तरक)
2. श्री तेतलि गोल्ला रेड्डी अनपती  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मन्डपेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2477/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-8-1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 415—यतः मुझे एन० के०  
नागराजन

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 243/1 है, जो भटलापालेम में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बोनतु राम मोहन राव और उसका वो बेटे  
भटलापालेम ।

(अन्तरक)

2. (1) चेट्टी रेड्डी सूर्यनारायण  
(2) पि० बंगारम , भटलापालेम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4809 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-77

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 416—यतः मुझे एन० के०  
नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 30-20/1-10ए, सीतारामपुरम है, जो  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
विजयवाड़ा में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 20-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
4-226GI/77

1. श्री अतलूरी रामचन्द्राव विजयवाड़ा  
(अन्तरक)

2. श्री बुडता श्रीरामुलु, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-12-76  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3253/76 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 8 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 417, —यतः मुझे, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 36-12-10 है, जो पानति नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-12-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रहे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सूर्यदेवरा बसवय्या, काकिनाडा

(अन्तरक)

2. श्री अतनूरी रामचन्द्राव, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 6-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3194/76 में निगमित अनुसूची।

एन० के० नागराजन

सतम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, काकिनाडा

तारीख: 8-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 418—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6/21-9-14 है, जो काकिनाडा, में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नामाला गन्नेम्मा, काकिनाडा

(अन्तरक)

2. श्री एस० अनंतरामाराव, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

काकिनाडा, रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्ति अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4716/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 419—यतः मुझे एन० के० नागराजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6/21-9-14 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नामाला गन्नेम्मा, काकिनाडा

(अन्तरक)

2. श्री एस० प्रभावति, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4717/76 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी नं० 420—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

- और जिसकी सं० 28-13-8ए है, जो बैजांग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैजांग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री आदि रेड्डी, सूर्यकांतम, बैजांग।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यू० नरकरतनम, बैजांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बैजांग रजिस्ट्री अधिकारी से वाकिक अंत जनवरी, 1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 31/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

नतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री जी० वेंकटा स्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. जि० वेंकटा रेड्डी, नरसिपुरम  
मड मस्तान शरीफ, रस्तुमबाद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 421—यतः मुझे, एन० के०.  
नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 119/1 तथा 2 रस्तुमबाद है, जो नरसिपुर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसिपुर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

नरसिपुर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-12-76  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3252/76 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 11-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 17 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 422—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 302, 303, 304 /2, 264, 304/1 तथा 263 है, जो गोपालपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगमपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पमुमथिवापिराजु, बेंकट मुन्नायुडु, गंडेपल्लि, पेद्दापुरम, तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री पुण्यमूर्तुल अण्णनराजु, राज बाबु, 33, बोग रोड, भद्राम-17।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगमपेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-1-77 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 15/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 17-8-77

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

निदेश सं० ए० सी० यू० 23-I-1281(590)/1-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 568, म्युनिसिपल नं० 636 है, जो छीकणी-वाला नौ घोल, गोमती पुर, अमहदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आशितियों, को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री विपिनचन्द्र भोगीलाल पटेल,  
मेघालय प्लैट्स के पास, स्टेडियम रोड,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विनोद कुमार पूंजालाल पटेल,

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पूंजालाल पटेल,  
छीकणीवाली पोल, गोमती पुर,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका सिटी सर्वे नं० 568, म्युनिसिपल सी० नं० 636 तथा जिसका क्षेत्रफल 81 वर्ग गज है तथा जो छीकणीवाली पोल, गोमती पुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अमहदाबाद के दिसम्बर, 1976 वाले विक्री दस्तावेज नं० 10134/76 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर: ।



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1282(591)/1-1/77-78—यतः, मुझे, एम० सी० परीख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 पैकी, सब  
प्लॉट नं० 4, है, जो वाउज, ता० सिटी, डिस्ट्रिक्ट : अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 1-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-22631/77

1. श्री रंजीतकुमार अम्बालाल,  
"कुसुम निवास", मिठाखली, एल्मित्रीज,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सतलज को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से  
श्री के० डी० पटेल, मूलजी पारेख नी पोल,  
वाडी ग्राम, वरीयापुर, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल, 952 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से  
6 तक (पैकी सब प्लॉट नं० 4 है तथा जो वाउज, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण बरणन दिसम्बर, 76 वाले  
बिक्री दस्तावेज नं० 9894/76 में दिया गया है ।

एम० सी० परीख  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1283(592)/1-1/76-  
78—यतः, मुझे, ए० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिनकी सं० सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 तक  
पैकी सब प्लॉट नं० 5 है जो वाउज, तालूका सिटी डिस्ट्रिक्ट :  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 1-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेंद्र अम्बालाल,  
पावर आफ एटार्नी होल्डर,  
श्री संजीव कुमार अम्बालाल,  
"कुसुम निवाम", मीठाखली एलिसबिज,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सतलज को० प्रा० हाउसिंग सोसायटी लि०  
मार्फत : श्री के० डी० पटेल,  
मूल जी पारेख, नी पोल, बाड़ीगाम, दरियापुर,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट, जिसका कुल क्षेत्रफल 952  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से  
6 तक पैकी सब प्लॉट नं० 4 है, तथा जो वाउज, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 वाले  
बिक्री दस्तावेज नं० 9895 में दिया गया है ।

ए० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० एफ० 23-I-1284(593)/1-1/77-  
78—यतः, मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और ज़िम्मेदारी सर्वे सं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6  
पैकी सब प्लॉट नं० 8 है, जो बाउज तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 1-12-76, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (i)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सैलेश अम्बालाल,  
पावर आफ एटरनी होल्डर,  
श्री रंजीत कुमार अम्बालाल,  
"कुमुम निवाम" मीठाखली, एलिसब्रिज,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. सतलज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०  
मार्फत : श्री के० डी० पटेल,  
मूलजी परीख नी पोल्, वाड़ीगाम, दरीयापुर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 952  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से  
6 तक, पैकी, सब प्लॉट नं० 8 है, तथा जो बाउज, अहमदाबाद  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 वाले  
बिक्री दस्तावेज नं० 9896 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1285(594)/1-1/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 तक, पैकी, हग प्लॉट नं० 1 है, जो वाउज तालूका सिटी डिस्ट्रिक्ट : अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कालाबेन विधवा

श्री अम्बालाल लल्लूभाई,  
पावर आफ एटार्नी होल्डर,  
श्री रंजीत कुमार, अम्बालाल,  
"कुसुम निवास", मीठाखली, एल्लिब्रिज,  
अहमदाबाद । (अन्तरक)

2. सतलज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड  
मार्फत : श्री के० डी० पटेल,  
मूलजी परीख नी पोल,  
वाड़ीगाम, दरीयापुर,  
अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 952 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 तक, पैकी, सब प्लॉट नं० 1 है तथा जो वाउज, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 1976 वाले बिक्री वस्तावेज नं० 9897 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-77

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1286(595)/1-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 तक पैकी सब प्लॉट नं० 7 है, जो वाउज, तालुका सिटी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अश्वनिकुमार अम्बालाल,  
पावर आफ एटारनी होल्डर,  
श्री रंजीत कुमार अम्बालाल,  
"कुसुम निवास", मीठाखली, एलिसब्रिज,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. सतलज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०  
मार्फत : श्री के० डी० पटेल,  
भूलजी पारेख नी पोल,  
वाडीगाम, दरीयापुर,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 952 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 666-1, सब प्लॉट नं० 1 से 6 तक, पैकी, सब प्लॉट नं० 7 है, तथा जो वाउज, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दि.सम्बर, 1976 वाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1248(596)/16-6/75-76—यतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, पैकी, हजूर पैलेस लैन्ड है, जो स्ट्रीट नं० 1, जयराज प्लॉट राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बाबूलाल नानजी भाई दोदया,  
हजूर पैलेस प्लॉट,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जवेरीलाल, एल्यास नटवरलाल, जमनादास,  
(2) श्री जयंती लाल, जमनादास,  
सोनी बाजार, अप्सरा के पास,  
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जा 132-6-54 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 10, पैकी, हजूर पैलेस लैन्ड है तथा जो स्ट्रीट, नं० जयराज प्लॉट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन दिसम्बर, 76 वाले विक्री दस्तावेज नं० 2856 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -I, अहमदाबाद

तारीख : 17-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 अगस्त, 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1622(597)/1-1/---

यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 3735, कालूपुर, वार्ड नं० 1 है, जो हवावाला गली नं० 4, मौदागर नी पोल, कालूपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुलमामद, अब्दुल्लाह भाई तरसावाला,  
कालूपुर, मौदागर नी पोल,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. (1) मोहम्मद सफी, फकीर मोहम्मद,  
(2) श्री उममानभाई, फकीर मोहम्मद,  
हवावाला, गली नं० 4,  
मौदागर नी पोल, कालूपुर,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 300 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 3735 कालूपुर वार्ड नं० 1 है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन 9-12-76 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 10034 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 64/77-78—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 1-4-71/3 से जो शरबती भाला बीदन नैजामा-  
बाद जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7 दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री बीकुलाल अगरवाल पिता स्वर्गीय सेठ हरीचरन  
शीवाजी भवन कोशनगज नैजामाबाद में रहते हैं। (अन्तरक)

2. श्री अनील कुमार गुप्ता पिता रामकुमार गुप्ता रमेश  
टाकीज घर नं० 1-4-71/3 बीदन, नैजामाबाद जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका विस्तारण 3360 वर्ग गज जिसका म्युनि-  
सिपल नं० 1-4-71/3 शरबती भाला बीदन, नैजामाबाद जिला,  
रजिस्ट्री की गई है। दस्तावेज नं० 2398/66 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय नैजामाबाद जिन के अन्तर्ग में:—

उत्तर — हनुमान टाकीज  
दक्षिण — गोशत का भारकीट  
पूर्व — म्युनीसिपल जमीन  
पश्चिम — म्युनीसिपल रास्ता

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 11-8-77

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 65/77-78—अतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

5-8-522

और जिसकी सं० — है, जो चिराग अली लेन में स्थित है  
2

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्रीमती फक्रुन्निसा बेगम पत्नी शरफुद्दीन खान 5-8-522  
मुकरब गंज लेन, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिवर्सल को-आपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सोसा-  
यटी, लिमिटेड, चिराग अली लेन हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका नं० 5-8-522/2 जिसका क्षेत्रफल 169.22  
वर्ग मीटर्स जो मुकरब गंज लेन में स्थित है जिसका रजिस्ट्रीकरण  
सं० 2317/76 जो रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में दर्ज किया है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति फकरुल्लाहा बेगम, 5-8-522 मुकरबगंज लेन,  
हैदराबाद (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना2. मेसर्स वी यू निवर्सल को-ऑपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सो-  
सायटी लिमिटेड 5-8-521, निराग अली लेन हैदराबाद  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 66/77—78—यत० मुझे के० एस०  
बेंकटरामन(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० 5-8-522 है, जो मुकरबगंज लेन में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1976 दिसम्बर  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
वर्तिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्ल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;मकान नं० 5-8-522 जो मुकरबगंज लेन, हैदराबाद में स्थित  
है जिसका क्षेत्रफल 388.52 वर्ग मीटर है और रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण सं० 2318/76 में है।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 67/77—78—अतः मुझे के० एस०  
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
में अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-522/1 है, जो चिरागगली लेन में स्थित  
है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मे, अतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती फकरुन्नीसा बेगम, 5-8-522, मुकरबजंग लेन,  
हैदराबाद । (अन्तरक)

2. दी यूनीवर्सल को-ऑपरेटिव हाउस कनस्ट्रक्शन सोसाइटी,  
चिरागली लेन, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-8-522/1, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद, क्षेत्रफल  
163.23 वर्ग मीटर्स, जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० 2319/76  
जो रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, हैदराबाद में है ।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12 अगस्त 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 68/77-78—अतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसको सं० 5-8-519 है, जो मुकरब जंग लेन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति फकरुन्नीसा बेगम, 5-8-522, मुकरब जंग लेन,  
हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमति नारामनी पन्थी गिरीराज गोयाल 5-3-1053  
शंकरबाग, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-8-518 और 519, मुकरब जंग लेन, हैदराबाद  
क्षेत्रफल 194.77 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण सं० 2320/76  
रजिस्ट्रीकरण कार्यालय, हैदराबाद ।

के० एम० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति फकरुन्नीसा बेगम 5-8-522, मुकरबगंज लेन,  
हैदराबाद। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 69/77-78—अतः, मुझे, के० एस०

बेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-520, 520/1 और 2, है, जो मुकरबगंज लेन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती तारामनो पत्नी गिरीराज गोयल, 5-3-1053  
शंकरबाग, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मोटर खानें सं० 5-8-520, 520/1 और 2, मुकरबगंज लेन, हैदराबाद, क्षेत्रफल 130.19 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण सं० 2324/76, रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 70/77—78—अतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-521 है, जो मुकरबजंग लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति फकरुल्लाहा बेगम 5-8-77, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति नारामनी पत्नी गिरिराज गोयाल, 5-3-1053 शंकर बाग, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूचा

धर नं० 5-8-521, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण सं० 2322/76, रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद है ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 12-8-77  
मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 71/77—78—अतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-525, है, जो मुकरबजंग लेन में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक क  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति फकरुल्लाहा बेगम, 5-8-522, मुकरबजंग लेन,  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परणाद 27-1-293,  
किरगाव गंज, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

### अनुसूची

घर सं० 5-8-525, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद क्षेत्रफल  
236 वर्ग मीटर्स, रजिस्ट्रीकरण सं० 2321/76, रजिस्ट्री कार्या-  
लय, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज हैदराबाद

दिनांक : 12-8-77  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

अन्वयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० 72/77—78—अतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 5-8-524 है, जो मूकरबजंग लेन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मैं, अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति फक्रुन्नीसा बेगम, 5-8-522, मूकरबजंग लेन,  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परशदा 21-1-293  
श्रीकावगंज, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-524, मूकरबजंग लेन हैदराबाद, क्षेत्रफल  
225.33 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकरण सं० 2323/76, रजिस्ट्री-  
कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 12-8-77  
मोहर



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमति फकूलीसा बेगम, 5-8-522, मूकरबजंग लेन  
हैदराबाद (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1977

सं० आर० ए० सी० सं० 73/77—78—प्रतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-8-523 है, जो मूकरबजंग लेन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—226GI/772. श्रीमति लक्ष्मीबाई पत्नी जगदीश परशदा 21-2-293,  
रिकाब गंज, हैदराबाद (अन्तर्गती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-523, मुकरबजंग लेन, हैदराबाद, क्षेत्रफल  
185.24 वर्ग मीटर, रजिस्ट्रीकरण सं० 2325/76 रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद।के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाददिनांक 12-8-77  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० 74/77-78—अतः मुझे के०  
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
नारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सूची जमीन सूखे नं० 11/2 अकरामपली है, जो  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्नागिरी तीरुपति में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
10-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती-अदम, नारायणम्मा पती मुनी स्वामी रेड्डी, (2)  
अदम सीदम्मा पती चन्नुरायी रेड्डी (3) अदम रगुरायी रेड्डी  
तमाम लीग अकरामपली पोस्ट चेन्नागिरी तलुक चीतूर जिला।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुंडुगुपलरी पदमावन्ममा पती नरसीयलू नायडू  
दामेरा गली तीरमाला पोस्ट तीरुपति। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन है सर्वे नं० 11/2, अकरामपली चेन्नागिरी तलुक  
चितूर जिला में है—जुमला जमीन 22 एकड़ है रजिस्ट्री की गई है  
दस्तावेज नं० 3825/7634 रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 16-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 75/77—78—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/482/एच 13/483 है, जो वे० वी० गली  
कडपा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
16-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० बी० एल० नससीमलू चेटी बचेराट गली कडपा  
(अन्तरक)

2. श्री अमरस्वामी रमेश बाबू पिता सुबारायडू वै० वी०  
गली कडपा (अन्तरिती)

3. (1) बाटा ग्लू कम्पनी, (2) सुदरशन चिट फंड, (3)  
दाउदतेलर तमाम लोग 13-482/एच और 13/483 वै० वी०  
गली कडपा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वरवाजा नं० 13/482/एच और 13/483 वै० वी० गली कडपा  
रजिस्ट्री का नं० 5780/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज हैदराबाद।

दिनांक 16-8-1977  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1977

सं० अर० ए० सी० 76/77-78—अतः मुझे के० एस०  
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21/2/639 और 640 है, जो उर्दूशरीफ हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुदबौली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. एकबाल हुसैन, (2) एहराज हुसैन, (3) साद-हुसैन, (4) कली कूनीसा बेगम, (5) लयाकुनीसा बेगम रफीकुनीसा बेगम सब घर नं० 21-2-640 उर्दूशरीफ, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. माली राम पिता सागरमल और रमेश चन्द घर नं० 21-2-769 उर्दू शरीफ, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरा मनजला घर नं० 21-2-639 और 640 उर्दू शरीफ, हैदराबाद में है जोका विस्तीर्ण 32.85 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 553/76 उप-रजिस्ट्री कार्यालय दुदबौली, हैदराबाद में।

के० एस० बेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-8-77

गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अगस्त 1977

निर्देश सं० 124 ए/अर्जन/मेरठ/77-78/253—अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नत्थू पुत्र राम निवास निवासी ग्राम जजोखर पोस्ट खास परगना तहसील व जिला मेरठ । (अन्तरक)

2. श्री करन सिंह, मगन सिंह, प्रेम सिंह पुत्रगण उमराव सिंह निवासी ग्राम जजोखर पोस्ट खास जिला मेरठ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति कृषि भूमि 7 बीघा 2 बिस्वा 19 बिस्वान्सी ग्राम जजोखर तहसील व परगना मेरठ में स्थित 42885 रु० के कुल मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 9-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त 1977

निवेश सं० 122 ए०/अर्जन/मेरठ/77-78/2536—अतः,  
मुझे आर० पी० भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरधना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीरपाल सिंह पुत्र देवी सिंह निवासी ग्राम चिरौदी परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री गोपी चन्द ब्रह्म सिंह पुत्रगण सोमराज निवासी ग्राम चिरौदी परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति कृषि भूमि लगभग 12 बीघा ग्राम चिरौदी तहसील सरधना जिला मेरठ में स्थित 18000 रु० के कुल मूल्य में बेची गयी।

आर० सी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कानपुर

दिनांक : 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बलिज, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड-560004

धारवाड-560004, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० 189/77-78/अर्जन-अतः, मुझे, डी० सी० राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना खाता नं० 1494 और नई खाता नं० 9102, है, जो साइट नं० 353, 5वां ब्लॉक चित्रदुर्गा टाऊन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चित्रदुर्गा ग्रंथर डाकुमेंट नं० 1136 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः--

1. रंगप्पा पुत्र दोडाथिम्मप्पा, (2) कृष्णप्पा पुत्र रंगप्पा, (3) रंगप्पा नाबालिग गाडियन बाई ग्रांड फादर श्री महालिंगप्पा, सब कल्लाहल्लि गांव के निवासी हैं । हिरियूर तहसील चित्रदुर्गा जिला (अन्तरक)

2. श्री टि० जि० राजाशेखारप्पा पुत्र इस्वरप्पा कूकिबाई गांव हिरोगंटूर होवली चित्रदुर्गा जिला अब सहायक इंजीनियर के० ई० बि० होसादुर्गा (चित्रादुर्गा जिला) (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला स्थल और मकान 5वां ब्लॉक वेंकटेशपुरा, चित्रदुर्गा टाऊन, संख्या 1494 और नई खाता नं० 9102 साइट नं० 353

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

दिनांक : 11 अगस्त 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-560004, दिनांक 6 अगस्त 1977

निदेश सं० 187/77-78/अर्जन—अतः, मुझे, डी० सी० राजागोपालन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० म्युनिसिपल संख्या 170/ए है, जो रेलवे स्टेशन का रास्ता, हासन सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हासन ग्रैंडर डाकुमेंट नं० 4390 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री एच० पी० पदमानाभय्या पुत्र एच० पी० पास्वनाथय्या, के० आर० पुरम, नार्दन एक्सटेंशन हासन (अन्तरक)

2. श्रीमति एच० आर० कन्तुरीबाई पति एच० एस० रवि कुमार, सुभाष चौक, हासन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति एक मकान और खुला स्थान रेलवे स्टेशन को जाने का रास्ता पर है। हासन म्युनिसिपल नं० 170/ए,

मकान का स्थल

60' × 35' = 2100 फीट : 50 प्रतिशत शेयर  
खुला स्थान 60' × 132' = 7320 फीट : 50 प्रतिशत शेयर

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

दिनांक : 6-8-77

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-570004, दिनांक 6 अगस्त 1977

निर्देश सं० 188/77-78/अर्जन—अतः मुझे, डी० सी० राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मुनिसिपल नं० 170, है, जो रेलवे गाड़ी के रास्ते पर, हासन सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हासन अंडर डायरेक्ट नं० 4393 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9-226GI/77

1. एच० पी० जयराम पुत्र एच० पी० परचानाथया, नार्दन एक्स्टेंशन, हासन । (अन्तरक)

2. श्री एच० आर० मंजुया पुत्र एच० रविकुमार, सुभाष चौक, हासन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति एक घर और खुला स्थान है । रेलवे स्टेशन के रास्ते में है । हासन सिटी । मुनिसिपल नं० 170 ।

मकान का आवरण

60' × 35' = 2100 फीट है : 50 प्रतिशत शेयर

खुला स्थान 60' × 132' = 7320 : 50 प्रतिशत शेयर

डी० सी० राजागोपालन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 6-8-77

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० 11-आई०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो 3, बिशप राकी स्ट्रीट, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० सी० एम० ठैकोर व श्रीमति जोस्फीन ठैकोर ।  
(अन्तरक)
2. इंडिया एवरी होम कूमेड ।  
(अन्तरिती)
3. डा० सी० एम० ठैकोर व श्रीमति जोस्फीन ठैकोर ।  
(यह, व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 13990 वर्ग फीट है, जो कि 3, बिशप राकी स्ट्रीट, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 11-8-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रामकृष्ण दाँ (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ण (1) के अधीन सूचना

2. श्री अजित कुमार दाँ (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अगस्त 1977

निर्देश सं० ए० सी०-5/आर०-IV/कल०/77-78—अतः  
मुझे एम० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 86, 292, 253, 538, हैं तथा जो ईमलाबाद, बर्धवान में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बर्धवान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

™

अनुसूची

मौजा ईमलाबाद, थाना तथा जिला खतियान बर्धवान सं० 86, 292, 253, 538, प्लॉट सं० 31, 33, 34, 35, 36, 37, 103, 104, 105। जमीन का परिमाण 4.53 एकड़, साथ भकान, राईस मिल आदि जैसा कि दलिल सं० 9468 सं० (1976 का) जिला सब रजिस्ट्रार बर्धमान में वर्णित है।

एम० एस० ईनामदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 3 अगस्त 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 9 अगस्त 1977

निदेश सं० एल० सी० 145/77-78—अतः मुझे, सी०पी०ए०  
वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो रामेश्वरम और  
मट्टान्चेरि विल्लेजस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोच्चिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 14-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों: अर्थात्:—

1. मैसर्स यूनाइटेड इन्डस्ट्रीज (कोच्चिन) लिमिटेड,  
कोच्चिन-5। (अन्तरक)

2. मैसर्स इंटरनेशनल फिशरीज लिमिटेड, बम्बई-23।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

1 acre 25<sup>293</sup>/<sub>300</sub> cents in Sy. No. 569/5, 570, 571, 1446/1  
and 2 and 1166 of Rameswaram village, Cochin Taluk.

15 cents 40 sq. links in Sy. No. 774/2, 774/3, 775/3, 1305  
and 1308 of Mattancherry Village, Cochin Taluk with build-  
ings—vide Schedule to Document No. 3021/76.

सी० पी० ए० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

दिनांक : 9-8-1977  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1977

निर्देश सं० जीएमपी/16/77-78—अनः मुझे, एस० के०  
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम जपवाल से 1 कि० मी०  
पश्चिम तरफ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति मिन्नी पुत्री श्री तारा सिंह, निवासी ग्राम एवं  
डाकखाना गुरदासनगल । (अन्तरक)

2. सर्वश्री जागीर सिंह एवं कश्मीर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह,  
ग्राम गुरदासनगल । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई  
किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवस्थियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवस्थियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि नाप 36 कनाल जो ग्राम जपवाल से 1 कि० मी० पर  
पश्चिम तरफ स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 7035  
फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गुरदासपुर में  
लिखा है ।

एस० के० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 12-8-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1977

निदेश सं० जी० एस० पी०/17/77-78—अतः मुझे,  
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम जोगी चीमा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री तारा सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह, ग्राम जोगी चीमा।  
(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर लाल पुत्र श्री मुंशीराम, कादियां,।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि नाप 46 कनाल 9 मरला, जो ग्राम जोगी चीमा में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 6569 फरवरी, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12 अगस्त 1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त दिनांक 1977

निदेश सं० ए० एम० आर० 19/77-78—अतः मुझे,  
एम० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
में अधिक है

और जिसकी सं० दुकान एवं भूमि है तथा जो कटरा शेर सिंह,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची से पूर्ण  
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री रतन चन्द निवासी जी० टी०  
रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमति मनोहरवती, श्री जतिन्दर नाथ पुरी, श्रीमति  
ज्योति पुरी, श्री ब्रह्मनाथ पुरी, कटरा शेर सिंह अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई  
किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान एवं जमीन जो कटरा शेर सिंह, अमृतसर में स्थित है  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1169 दिसम्बर 1976 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर शहर में लिखा है।

एम० के० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 12 अगस्त 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 10 अगस्त 1977

निर्देश न० ए०एस०आर०/18/77-78—अन: मुझे एस०  
के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसका नं० 35 है तथा जो माडेल टाउन, अमृतसर में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत छन्दर सिंह, पुत्र श्री गुरदियाल सिंह निवासी-35,  
माडेल टाउन, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री शामदाम पुत्र श्री ईशर दाम, श्री केवल कृष्ण पुत्र  
शामदाम 35 माडेल, टाउन अमृतसर (अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार  
हो। )

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 35 माडेल टाउन, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख संख्या 1171 दिसम्बर, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10 अगस्त 1977

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 1977

निर्देश सं० ए.एम.आर./15/77—78-अतः मुझे एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 71 है तथा जो जोशी कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—226GI/77

1. श्री किशन किशोर पुत्र श्री बीमानाथ निवासी—कटरा खजाना, अमृतसर (अन्तरक)

2. सर्वश्री हरीश कुमार एवं रमेश कुमार पुत्रगण श्री हंसराज एवं श्री हंसराज पुत्र श्री मनीराम निवासी—कटरा हरी सिंह, बाजार बहियां वाला अमृतसर (अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो ।

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 71 जोशी कालोनी अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता जिलेख संख्या 1095 दिसम्बर, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक : अगस्त 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० आई० ए०सी० एक्वी०/भोपाल 77—78/880—

अतः मुझे रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व कच्चा मकान है जो वाराणासी व रायगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायगढ़ में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का द्रष्टव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तः पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) कीअकेन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. (1) महाराज कुमार दिलीप सिंह व पुत्र श्री महाराज विजय भूषण सिंह देव :—

(2) महाराज विजय भूषण सिंह देव पुत्र श्री स्व० महाराना देव सरन सिंह देव

(3) युवराज रत्न विजय प्रताप सिंह देव

(4) राज कुमार विक्रमादित्य सिंह देव

(5) कुमारी मिनालिनी सिंह देव पुत्री स्व० युवराज उपेंद्र सिंह देव, सभी—निवासी जसपुर नगर, जिला रायगढ़

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शांती कांत, शांता भाई पटेल एंड कम्पनी; एक भागीदार फर्म स्थित मोहल्ला राजा दरवाजा, वाराणासी द्वारा पार्टनर्स (1) पद्मा लाल पटेल, (2) जसभाई पटेल, (3) कांती भाई पटेल (4) शानूभाई पटेल, सभी वयस्क पुत्र श्री छोटा भाई पटेल सभी निवासी ब्रह्मापुरी, चौखम्बा वाराणासी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

(i) कारपोरेशन नं० बी-3/98, बी-98, बी-3/98 बी, बी-3/132 व बी-3/133 स्थित मोहल्ला शिवाला, वाराणासी ।

(ii) सभी कच्चा मकान (मिट्टी का बना) कबेलूदार साथ में बगीचा (बाड़ी) वि० खसरा नं० 940/3 क्षेत्रफल 289 सीमल स्थित ग्राम मानोरा (जसपुरा) पी०सी० नं० 45, प्रार० आई० सी० जसपुरा जिला रायगढ़ ।

रा० कु० वाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज भोपाल

दिनांक 11-8-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री आर० के० पुरी और मे० क्वालिटी फार्म, औंध, पूना  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना-41104 दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/फरवरी/77/हवेली II (336/77-78-  
अतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में दिया गया  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली  
II पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 15-2-77।

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मे० वेस्टर्न हचरिन प्रायवेट लिमिटेड 125, जंगली  
महाराज पथ, पूना 4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुणित किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा और जिसके ऊपर बिल्डिंग जो गट नंबर  
1008, 1009, 1011, 1013 और 1014 नायगांव व तालूका  
हवेली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 6 एकड़ और 24 गुंठा है।

(जैसे भी रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 157 दिनांक 15-2-77  
को सब रजिस्ट्री, हवेली II, पुना में हुआ है।)

श्रीमति पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पुना

दिनांक 11 अगस्त 1977

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एंडरवना कर्वे रोड

अर्जुन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 11 अगस्त 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/थाना/एप्रिल 77/335—अतः मुझे  
श्रीमति पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट क्र० 3, सी० टी० एस० क्र० 67, टिक्का  
22 तथा जोपाडा, थाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय थाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 12-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बा-राव संताजी खापरे कोलहायूर बाग, कोपर्स रोड,  
थाना (अन्तरक)

2. पंकज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमी०,  
गोखले रोड, पोस्ट आफिस के पीछे ब्राह्मनी सोसायटी थाना  
400602 ।

- (1) श्री एस० बी० खापरे,
- (2) श्री व्ही० एच० ठोसर,
- (3) श्री बी० बी० जैन,
- (4) श्रीमति ए० एस० जयवंत
- (5) श्री व्ही० खापरे,
- (6) श्रीमति एस० एस० नेवालकर,
- (7) श्री सी० एस० पवार
- (8) श्री जी० एस० गांगाल
- (9) श्री एस० आर० चोकसी
- (10) श्रीमति सी० एस० पवार
- (11) श्री के० जी० खाने
- (12) श्री पी० के० के० नंबीआर
- (13) श्रीमति जी० डी० डागा
- (14) श्री आर० जे० कोलस्टकर
- (15) श्री डी० एस० डागा
- (16) श्रीमति सी० व्ही० दारने
- (17) श्री व्ही० व्ही० सणस्त्र बुद्धे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लॉट क्र० 3, सी० टी० एस० क्र० 67, टिक्का क्र० 2,  
678 वर्ग यार्ड्स :—

इसके ऊपर बिल्डिंग—जो निम्न तरह से घेरा हुआ है :—

उत्तर के तरफ :—श्री खापरे का प्रापटी

दक्षिण के तरफ :—गिरीगंध को-आप० हाउसिंग सोसायटी  
10, रास्ता

पूर्व के तरफ :—लोकेशरवाल व्ही० अप हाउसिंग सोसायटी  
पश्चिम के तरफ :—श्री सावले का प्रापटी

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 81 दिनांक 12-4-77 को  
सब रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर लिखा है ) ।

श्रीमति पी० लालवानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 11 अगस्त, 1977

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 12th August 1977

No. F.31/77-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri H. S. Munjral, Officiating Assistant Registrar at the disposal of the Grover Commission of Inquiry, New Delhi with effect from the afternoon of 11 August, 1977, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. S. Suri, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 12 August, 1977, until further orders *vice* Shri H. S. Munjral, Officiating Assistant Registrar (on deputation).

The 13th August 1977

No. F.29/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to place the services of Shri B. M. Chandwani, Private Secretary to Hon'ble Justice at the disposal of the P. Jagannathan Reddy, Commissioner of Inquiry, New Delhi with effect from the forenoon of 1 August, 1977, until further orders, on usual terms and conditions of deputation.

The 16th August 1977

No. F.6/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Smt. Sharda Lowe, Assistant, as Officiating Section Officer with effect from the afternoon of 16 August, 1977, until further orders.

R. SUBBA RAO, Dy. Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th August 1977

No. R-10/71-Ad.V.—On attaining the age of superannuation Shri R. Jagannathan, Office Supdt., Zone-II, C.B.I. relinquished charge of his office of Office Supdt., C.B.I. in the forenoon of 1-8-77.

P. S. NIGAM  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th August 1977

No. O.11-1040/76-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. M. Sreenivasa Reddy as GDO (Gd.II) (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th June 1977 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 12th August 1977

No. P/S(1)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Tejishore Singh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Manipur, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 26-7-1977 to 23-9-1977, against the leave vacancy of Shri N. Jogendra Singh.

BADRI NATH  
Deputy Registrar General, India &  
*ex-officio* Deputy Secretary

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 29th July 1977

No. 7 F.C.2(9)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri R. N. Jain, Senior Research Officer has been appointed as Senior Research Officer in the Seventh Finance Commission in the scale of Rs. 1100—1600, on usual deputation terms, with effect from the 23rd July, 1977 (forenoon) until further orders.

The 5th August 1977

No. 7 FC 2(15)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri K. Venkataraman, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the Seventh Finance Commission, in the scale of Rs. 700—1300 on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 1st August, 1977 until further orders.

No. 7 FC 2(17)-A/77.—On transfer from the Planning Commission, Shri R. K. Dar, I.A.S., Joint Secretary, has been appointed as Joint Secretary in the Seventh Finance Commission with effect from the afternoon of 21st July, 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAL  
Under Secretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
(OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR, RANCHI)

Ranchi, the 11th August 1977

No. OE-I-Audo-1950.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Mrityunjai Karmkar, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in this office with effect from 7-6-1977 (F.N.).

No. OE-I-Audo-1957.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Upendra Nath Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in this office with effect from 7-6-1977 (F.N.).

B. P. SINHA  
Sr. Deputy Accountant General, (Admn.)  
Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
KARNATAKA

Bangalore, the 8th August 1977

No. ESI/A4/77-78/398.—The following officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names :—

(1) Shri K. Krishna Murthy	1-6-77
(2) Shri T. C. Krishna Murthy	1-7-77

S. C. BANERJEE  
Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
(DEFENCE SERVICE)

New Delhi, the 12th August 1977

No. 2427/A.Admn./130/77.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to the under-mentioned officiating Audit Officers in a substantive capacity in the same post, from the dates indicated against each:—

Sl. No.	Name	Date
	S/Shri	
1.	M. S. Sundarajan	13-4-76
2.	Y. Sankaran	16-6-76

K. B. DAS BHOWMIK  
Sr. Dy. Director of Audit  
Defence Services

## MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 2nd August 1977

No. CER/6/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated 7th March, 1958.

In the Table appended to the said Notification is the column 2, for the existing entries against S. No. 3, the following shall be substituted :—

- (i) Joint Director of Industries.
- (ii) Research Officer.
- (iii) Deputy Director of Industries.
- (iv) Asstt. Director of Industries/Industry Officers.
- (v) Inspector Industries
- (vi) Sub-Inspector of Industries.  
By whatever designations they are designated.
- (vii) Director, Industries and Labour, Delhi Administration.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 11th August 1977

No. A-1/1(1045).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints S/Shri Ram Kishan and Balbir Singh, Junior Progress Officers in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Assistant Directors (Grade II) on *ad hoc* basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1977.

2. The appointment of S/Shri Ram Kishan and Balbir Singh as Assistant Directors (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

KIRAT SINGH  
Deputy Director (Administration)  
for Director General, Supplies & Disposals

## MINISTRY OF STEEL &amp; MINES

## (DEPARTMENT OF STEEL)

## IRON &amp; STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 6th August 1977

No. EI-3(1)/74(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri E. P. Narayanan, Assistant, to officiate in the post of Senior Personal Assistant on an *ad hoc* basis with effect from 8-8-1977 (F.N.).

S. N. BISWAS  
Joint Iron & Steel Controller

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 9th August 1977

No. 4248B/3(7)/71(SKM)/19B.—Shri Surendra Kumar Mangla is appointed as Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India on pay minimum in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th July 1977, until further orders.

V. K. S. VARADHAN  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th August 1977

No. A19011(21)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri L. G. Laghate, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th June, 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 30th July 1977

No. F.20(c-15)10/74-A.1.—Shri Amiya Prasad Mandal, Offg. Microphotographer has resigned from service in the National Archives of India and has been relieved w.e.f. 30th July 1977 (A.N.).

No. F.11/2-1/75-A.1.—Shri Hari Singh Yadav, Scientific Officer has resigned from service in the National Archives of India and has been relieved with effect from 30th July 1977 (A.N.).

The 12th August 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Kumari Krishna Chaudhry, Asstt. Archivist Gr.II (General) and Offg. Asstt. Archivist G.I (General) on *ad hoc* basis to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 11-8-77 (F.N.) until further orders.

The 16th August 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri S. K. Khatri, Asstt. Archivist Gr. I (General) to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 11-8-77 (F.N.) until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE  
Director of Archives

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th August 1977

No. 4/42/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajeev Laxman Gokhale as Programme Executive, All India Radio Pune in a temporary capacity with effect from 27th July, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ  
Deputy Director of Administration  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th August 1977

No. C. 14013/1/77-SI.—In exercise of the powers conferred by Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, Shri P. C. Kapur, Deputy Director General (Stores) dismissed Shri Vasudevan Nair, Senior Packer in the Government Medical Stores Depot, Karnal from service *vide* Order No. C.140/13/6/77-AV dated 4th June, 1977.

SANGAT SINGH  
Dy. Director, Admn. (Stores)  
for Director General of Health Services

New Delhi, the 8th August 1977

No. A.12023/4/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kumari Veena Mehndiratta to the post of Senior Dietician (Home Economist), Directorate General of Health Services on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 7th April, 1977 to the 21st July, 1977 *vice* Smt. Lily Madhok on leave.

2. Kumari Veena Mehndiratta relinquished charge of the post of Senior Dietician (Home Economist), Directorate General of Health Services, on the afternoon of 21st July, 1977.

S. P. JINDAL  
Deputy Director, Administration (O&M)

New Delhi, the 10th August 1977

No. 9-34/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Urmila Gautam to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, 2-Patliputra Colony on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23rd July, 1977 till further orders.

No. A.11017/1/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Madhavan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, at Nagpur on temporary basis with effect from the forenoon of 8th July, 1977.

Dr. R. K. Pillai, Ayurvedic Physician (*ad hoc*) was relieved of his duties from the forenoon of 8th July, 1977.

No. A. 11017/1/76-CGHS.L.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) A. M. Joshi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Nagpur on temporary basis with effect from the forenoon of 14th July, 1977.

2. Dr. (Mrs.) Urmila Gautam, Ayurvedic Physician (*ad hoc*) relinquished charge of her post from the forenoon of 4th July, 1977.

N. S. BHATIA  
Dy. Director Admn. (CGHS)

#### NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 11th August 1977

No. 14-39/74-Adm.—Shri Maisnam Modhuchandra Singh, Assistant Conservator of Forests, Government of Manipur (Forest Department) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forest Resources, Bhutan, Sarbhang with effect from 18-7-1977 (F.N.), until further orders.

ROMESH CHANDRA  
Chief Coordinator

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

##### PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 17th June 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/2295.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate as Assistant Personnel Officer for the periods shown against their names :—

Sr. Name & Designation No.	Period		Remarks
	From	To	
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. Anant Kashinath Katre, Assistant	18-3-77	30-4-77	Vice Shri H.J. Majmundar, APO granted leave.
2. M. K. Surendra Rao, U.D.C.	25-4-77	27-5-77	Vice Shri J. Ramamurti, APO granted leave.
3. Mukundchandra Sunderlal Bhatt, Assistant	2-5-77	4-6-77	Vice Shri P. P. Pai, AAO granted leave.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4. Dattatray Shankar Ingle, Assistant	4-5-77	10-6-77	Vice Shri P. Sukumaran, APO granted leave.	
5. K. R. Chandran Pillai, Assistant	21-3-77	13-5-77	Vice Shri C. G. Sukumaran, APO granted leave.	

The 1st April 1977

Ref. R/1031/Civil ED/Estt.II/1252.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Gobichettipalayam Ramanathan Ramachandran, SO/Engineer SB, with effect from 27-1-1977 AN.

Shri Ramachandran relinquished charge of his post on 27-1-1977 AN and was granted Terminal leave (Terminal benefit) for 34 days from 28-1-1977 to 2-3-1977.

M. K. S. SUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 30th June 1977

No. 5/1/77/Estt.II/2736.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. K. Madhava Kurup officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 27-1-1977 to 6-3-1977.

No. 5/1/77/Estt.II/2737.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. D. Tillu, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 6-12-1976 to 6-1-1977 vice Shri P. Mukundan, Assistant Personnel Officer granted leave.

This supersedes this Research Centre notification of even No. 502, dated 7-2-1977.

The 13th July 1977

No. K/947/Estt.II/2993.—Shri M. G. Karnik, a permanent Upper Division Clerk who was officiating as Assistant Personnel Officer, in the Bhabha Atomic Research Centre retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th June 1977 on attaining the age of superannuation viz. 58 years.

The 26th July 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/3156.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sr. Name & Designation No.	Period		Remarks
	From	To	
S/Shri			
1. J. V. Naik, Assistant	4-5-77	2-7-77	Vice Shri A. A. Naik APO granted leave.
2. B. V. Bhagunde, Assistant	16-5-77	24-6-77	Vice Shri N. L. Venkiteshwaran. AO-II promoted.
3. K. M. Nair, Stenographer(Sr.)	16-5-77	24-6-77	Vice Shri C.V. Ponde, APO granted leave.
R. Desikachari, Stenographer(Sr.)	30-5-77	8-7-77	Vice Shri T.S. Parameswaran APO granted leave.
5. S.T. Ochani, U.D.C.	29-10-76	15-1-77	Vice Shri P.V. Pamanani, APO, granted leave.

The 27th July 1977

No. 5/1/77/Estt.II/3184.—In continuation of this Division notification of even No. /284, dated 20-1-1977, Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri G. L. Shrivastava, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre on ad hoc basis for further period from 25-1-1977 to 25-2-1977.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd July 1977

No. PPED/3(282)/76-Adm.10120.—In supersession of this Division's notification of even number dated April 1, 1977, Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri M. Srinivasan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of March 19, 1977 until further orders.

G. L. GARGA  
Chief Administrative Officer

## RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 25th July 1977

No. RAPP/Rectt./7(2)/77/692.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. C. Gupta, a permanent Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division and an officiating Assistant Accountant of RAPP to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Project with effect from the forenoon of 3-6-1977 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1977

No. A.31016/3/77-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. C. Jouhar in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer in the Civil Aviation Department with effect from 1-7-1977.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director (Admn.)  
for Director General of Civil Aviation

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th August 1977

No. 1/358/77-Est.—Shri V. J. Mani, Technical Assistant, Bombay Branch, has been appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity, purely on *ad-hoc* basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 11th July 1977, and until further orders.

No. 1/431/77-EST.—Shri R. K. Anand, Technical Assistant, New Delhi Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad-hoc* basis in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977, and until further orders.

No. 1/432/77-EST.—Shri Rajinder Singh, Technical Assistant, Dehra Dun (who was appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th May, 1977 in the same Branch, against a leave vacancy), has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad-hoc* basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 2nd July, 1977 and until further orders.

P. G. DAMLE  
Director General

Bombay, the 8th August 1977

No. 1/407/77-EST.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Saha Senior Foreman, Calcutta Branch, as Chief Mechanician, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 11-4-77 to 8-7-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY  
Administrative Officer,  
for Director General

## OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th July 1977

No. 33/12/73-EC.IX/27/50/76-EC.IX.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Ganguli, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 12-7-77 FN on the usual tenor and conditions.

2. Shri Ganguli is placed on probation for period of two years with effect from 12-7-77 FN.

D. P. OHRI  
Dy. Director of Administration

## EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 9th August 77

No. AC-190/PO/Pt.I.—Shri R. K. Das, Officiating Senior Personnel Officer (Welfare)/Calcutta is confirmed in class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 1.11.75.

V. C. A. PODMANABHAN  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

NOTICE Under Section 445 (2)

*In the matter of the Companies Act 1956 M/S. Poly Steels (India) Ltd.,*

Ahmedabad, the 11th August 1977

No. 1678/Liquidation.—By an order dated 1-7-1977 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 31 of 1975, it has been ordered to wind up M/s. Poly Steels (India) Ltd.,

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat.

Company Petition No. 9 of 1976  
*In the matter of E.M.C. Works Ltd.*  
Kanpur, the 9th August 1977

## NOTICE

No. 1383-Liqn.—By an order dated 18.5.1977 in Company Petition No. 9 of the Hon'ble High Court of Judicature at Allahabad, it has been ordered to wind up E.M.C. Works Ltd., Kanpur and the Official Liquidator, U.P., Allahabad has been appointed its official liquidator.

R. K. LAL  
Asstt. Registrar of Companies, U.P.,  
Kanpur.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Jenkinson and Parekh (I) P. Ltd*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 13221/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jenkinson and Parekh (India) P. Ltd has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.



*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Medicate Service (P) Ltd.,*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 13286/560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Medicate Service (P) Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Parekh Dyeing and Printing works P. Ltd.,*

Bombay-2, the 5th August 1977

No. 14988/560 (5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that name of M/s. Parekh Dyeing and Printing works P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of —  
M/s Marudhar Udyog Sampada Ltd., Rajendra Nagar Tikhi  
(Rajasthan)*

Jaipur, the 9th August 1977

No. STAT/1207.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Marudhar Udyog Sampada Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies  
Rajasthan.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Minsarasam Company Private Limited*

Madras-600006, the 10th August 1977

No. DN/1697/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Minsarasam Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamilnadu.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. British India Steam Navigation Co. (India) Pvt. Ltd.*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 7889/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the British India Steam Navigation Co. (India) Pvt. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of  
Bhairab Engineering Industries Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 26342/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Bhairab Engineering Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. K. S. Electronics Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 28431/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the K. S. Electronics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*" In the Matter of Companies Act, 1956 and of  
The Saddles (India) Private Limited."*

Calcutta, the 11th August 1977

No. 29742/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Saddles (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
National Syndicate (Assam) Private Limited.*

Gauhati, the 12th August 1977

No. 791/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of National Syndicate (Assam) Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. MANDAL  
Registrar of Companies,  
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,  
Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th August 1977

Ref. No. AP-28/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As Per Schedule situated at V. Koharwala (FDK) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on 13-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Basant Singh S/o Shri Gurdial Singh, V. Kohar Wala, Teh. & Distt. Faridkot, (Transferor)
- (2) Ch. Bhag Singh s/o Sh. Sunder Singh, R/o Koharwala, Teh. & Distt. Faridkot (Pb). (Transferee)
- (3) As per S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals in village Kohar Wala as mentioned in the Registration deed No. 938 dated 13-6-1977.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Darshna Kumari d/o Sh. Amrit Lal,  
Nawan Sahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Mohinder Kumar Saini, s/o  
Shri Hari Chand, Railway Road,  
Nawan Sahar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 10th August 1977

Ref No. A.P. 21/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Scheduled situated at Nawan Sahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Sahar on 24-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(3) As per S. No. 2.  
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of plot measuring 2 Kanals in Nawan Sahar as mentioned in registration deed No. 4172 dated 24-1-1977.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Bhatinda.

Date : 10-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Rev. Fr. S. Maria Ratnam,  
General Procurator,  
Jesuit Madurai Province,  
St. Mary's, Dindigul.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th August 1977

Ref. No. 40/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 231, situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. No. 534/76) on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri Vijayaraghunatha Thondaman,  
Kodaikanal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 50 acres and 34 cents with buildings thereon at survey No. 231, Kodaikanal.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.  
(Incharge)

Date : 11-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 29/DEC/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Venkatesa Gramani Street, Chintadripet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 957/76) on 20-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mrs. M. A. Raheela Bi,  
W/o. Shri P. Sheik Dawood,  
39, Venkatesa Gramani Street,  
Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri Munawar Hussain }  
2. Shri Manzoor Hussain } minors by mother and  
3. Shri Nazeer Hussain } guardian Smt. M. A.  
4. Nazeema } Zubia Bivi.  
5. Shameena }

No. 5-A, Pakkuppettai, Urayur, Trichy-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1,410 sq. ft. with building thereon at door No. 39, Venkatesa Gramani Street, Chintadripet, Madras-2.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.  
(Incharge)

Date : 12-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 12th August 1977

Ref. No. 30/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 303, situated at Linghi Chetty Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4691/76) on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri P. M. Jambulingam,  
No. 17, First Main Road,  
United India Colony,  
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) M/s. Tyebali & Sons,  
No. 307, Linghi Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. General Engineering Stores  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor of building bearing door No. 303 (R. S. No. 4395), Linghi Chetty Street, Madras-1 with undivided half share in land measuring 2,356 sq. ft.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.  
(Incharge)

Date : 12-8-1977  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. M. Umapathy,  
No. 17, First Main Road,  
United India Colony,  
Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tyebali & Sons,  
No. 307, Linghi Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(3) M/s. General Engineering Stores  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 12th August 1977

Ref. No. 31/DEC/76-77.—Whereas I, K. PONNAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 303 situated at Linghi Chetty Street, Madras-1  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Madras (Doc. No. 4692/76) in December 1976,  
for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purpose of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground floor of building bearing door No. 303 (R. S. No.  
4395), Linghi Chetty Street, Madras-1 with undivided half  
share in land measuring 2,356 sft.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.  
(Incharge)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6. The 16th August 1977

Ref. No. 45/DEC/76-77.—Whereas, I K. PONNON being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 362/1 & 2 situated at Karungattankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chinnamanur (Doc. No. 2189/76) on 22-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Avadai Ammal, W/o. late Muthiah Thevar,  
Shri M. Bose S/o —do—  
Shri M. Pandian S/o. —do—  
Smt. Pechi Ammal, W/o. Shri Suruli  
Miss Saraswathi, minors by mother and guardian  
Shri Paramasivam Smt. Avadai Ammal.  
Otha Veedu, Karunkattankulam.

(Transferor)

- (2) 1. Shri A. Baskaran, sons of  
2. S. Z. Sureshkumar, Shri M. M. G. Arunachalam  
North Car Street,  
Ward No. III, Chinnamanur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8 acres and 72 cents in survey Nos. 362/2 (6.60 acres) and 362/1 (2.16 acres) with well and motor pumpset at Karunkattankulam village, Chinnamanur.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.  
(Incharge).

Date : 16-8-1977

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. 8/DEC/76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 2486 & 2489/1, 2, 3, 4A & B, situated at Visalakshipuram, Thallakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thallakulam (Doc. No. 2430/76) in December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—226GI/76

(1) Smt. Uma Ammal,  
W/o. Shri S. Muthusamy,  
No. 242, Srinagar Colony,  
Saidapet, Madras.

(Transferor)

(2) Shri K. Raman,  
Manager, Canara Bank,  
Moorthy Baugh Branch,  
New Delhi-110022.

(Transferee)

(3) Shri D. V. Rao

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring about 2 grounds with building thereon at T. S. Nos. 2486 4 & 5 and 2487/1, 2, 3, 4A & 4B, Visalakshipuram, Thallakulam, Madurai.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date :16-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 16th August 1977

Ref. No. 32/DEC/76-77.—Whereas I, K. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, situated at Angappa Naicken Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4715/76) on 27-12-1976 for an apparent consideration which **is less than the fair market value of the aforesaid property** and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Saifuddin Dawoodbhai, and Smt Kulra Bai  
No. 35, Angappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Sakinabai Saifuddin &  
Mrs. Sheerinbai,  
No. 35, Angappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Darshak Ltd.,  
2. Shabbir A. Lodghar  
3. Shabbir M. A. Haji  
4. Kulsumbai  
5. Shabbir Saifuddin  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided half share in land measuring 2,007 sq. ft. with building thereon at door No. 35, Angappa Naicken Street, (R. S. No. 4441), Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
MADRAS-6.

Date : 16-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6,

MADRAS-6, the 17th August 1977

Ref. No. 15/DEC/76-77.—Whereas I, RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, 8 & 9, situated at Errabalu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4538/76) on December, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. U. Vasudeva Rau,  
No. 323-24, Thambu Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kul Bhushan,  
2. Shri Raj Bhushan,  
3. Shri Chandar Bhushan,  
4. Mrs. Kantha Kumari,  
No. 33, Mukur Nallamuthu Street,  
Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Chandra Agencies  
2. P. Kanniah & Co.,  
3. Diesels & Tractors  
4. Sri Ramakrishna Corporation  
5. Central Bank of India

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground 195 sq. ft. with building thereon at door No. 7, 8 & 9, Errabalu Chetty Street and 324, Thambu Chetty Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.  
(Incharge).

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. M. C. S. Azecma Sultan Beevi  
By Power Agent Shri Mohamed Mohideen,  
Shri Nurul Ameen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. Javid Hussain  
minor by guardian Shri K. V.M. Abdul Karcem,  
West Street, Keelakarai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madrās-6, the 17th August 1977

Ref. No. 39/DFC/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 218 & 219, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keelakarai (Doc. No. 1708/76) on 31-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 acres and 50 cents in survey Nos. 218 (6.41 acres) and 219 (4.09 acres) in Noorsirangur village, Ramnad district.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 17-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1977

Ref. No. 46/DFC-76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 447/1, situated at Kanthapparaisakaran, Sengottai, Tirunelveli district and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Shencottai (Doc. No. 2482/76) on 16-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri /Smt.

- (1) 1. Periasamy Chennanjanja Pandian,  
2. Saraswathi Thai, W/o Pandian  
3. Velladurai,  
4. Chelladurai,  
5. Karthiyayini (minor) by guardian Sl. No. 1.

(Transferor)

- (2) Smt. Janaki Ammal,  
W/o Shri S. Murugiah Mudaliar,  
Kulasekarapuram, Shencottah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 80 cents at survey No. 447/1, Kanthanparaisekaram, Shencottah, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

(Incharge).

Date : 17-8-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Geetha Silk and Saree Bazaar, N.S.B. Road, Trichy.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Geetha Silkcot P. Ltd. N.S.B. Road, Trichy.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. 3763/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31 and 32 situated at N.S.B. Road, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSAR III Trichy (Doc. No. 2197/76) on 4-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 31 and 32, N.S.B. Road, Trichy (Doc. No. 2197/76).

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 16-8-1977  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri M. Kandasamy  
Prop: Lalitha Emporium 45-A, Jawaharal Nehru  
St. Pondicherry.  
(Transferor)

(2) Smt. Payol Marie Joseth 3/49 St. Francis Xavier  
St. Nethaji Nagar, Pondicherry.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 9th August 1977

Ref. No. F.3757/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 8, Kamaraj Nagar, situated at Pondicherry,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Pondicherry (Doc. No. 1589/76) on December 1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 8, Kamaraj Nagar,  
Pondicherry.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-  
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of  
Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

Date : 9-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1977

Ref. No. F.4177/76-77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 281/1, 281/2, 281/4, 500/6, 315/3 and 495/3 situated at Arvind Farms, Glenmorgan, Sholar village, Nilgiris (28.35 Acres), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ootacamund (Doc. No. 1426/76) on 22-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mr. P. N. Amersey, M/s. Milton's Ltd.  
Mathuradas Mills' Compound, N. M. Joshi  
Marg, Lower Parel, Bombay.  
(2) Mr. L. S. Kumar, Parkside Estate, Coonoor,  
Nilgiris.  
(Transferor)  
(2) Messrs. T. R. Subramaniam; T. R. Ramachandran;  
and T. R. Ragupathy,  
Ivy Cottage, New Agraaharam, Ootacamund.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

R. S. Nos.	Extent
281/1	18.41
281/2	0.04
281/4	6.62
500/6	1.82
315/3	0.65
495/3	0.81
	<hr/> 28.35 Acres

Arvind Farms, Glenmorgan, Sholar Village, Nilgiris.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 16-8-1977  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri V. L. Balakrishna Naidu, No. 74 Avanshi Road, Coimbatore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Surya Kumari W/o Shri Surya Kumar, Pushpavanam, Puthur, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 16th August 1977

Ref. No. F.4178/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 1399/1, 199/2 and 1400 part, situated at Avanshi Road, Coimbatore (39 Cents and 66 Sft.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ty. JSR Coimbatore (Doc. No. 3011/76) on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
13—226GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 39 Cents and 66 Sft. (with Asbestos Sheet shed, Well and Motor) bearing T.S. Nos. 1399/1, 1399/2 and 1400 Part situated at Avanshi Road, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. N. Prema W/o Shri C. B. Nanjappa Gounder  
16/23 Okkiliar St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(2) Shri R. Rajagopalan S/o Shri M. Ramasami Gowder  
11/57 Railway Station Road, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within the period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 4183/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. S. Nos. 350 and 363 situated at Othakalmandapam  
village,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kinathukadavu (Doc. No. 716) on 20-12-1976, for an  
apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

13.41 Acres of land bearing S. Nos. 350 and 363 situated  
at Othakalmandapam village.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass 6, the 10th August 1977

Ref. No. 5388/76 77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61 Bells Road, situated at Triplicane, Madras-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Madras) (Doc. No. 558/76) on 9-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Jayaraman,  
Shri Mohan (Minor) and  
Shri Ravi (Minor),  
(Minors represented by father and natural guardian  
Shri R. Jayaraman),  
No. 61 Bells Road, Madras-5.

(Transferor)

- (2) Shri A. M. Abdul Kareem,  
No. 5/40 West St. Adivakkamangalam, Tiruvarur  
Taluk, Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1105 sq. ft. (with building) situated at Door No. 61 Bells Road, Chempauk, Triplicane, Madras-5. (R. S. Nos. 2652/2—Present R.S. No. 2652/56).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-8-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumari B. Laxmi Saraswathi, D/o Ramabrahmaiah, 178, Parvathinagar, 3rd Cross, Bellary. (Karnataka State).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 411.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/8 (Cinema Talkies) situated at Eluru Road, Gudivada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 3-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) (1) Boppana Bhoga Narasimha Brahmeswara Rao.—  
(2) Shri Boppana Devendra Prasad.  
(3) Shri Boppana Radhakrishna Murty.  
(4) Smt. Maganti Laymi.  
(5) Shri Parvathaneni Brahmaiah, Partners in Sri Gowri Sankar Talkies, Gudivada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3894/76 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 412.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-14-37 situated at Kothapeta, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Pamidimarri Venkata Krishna Rao.  
(2) Mr. P. Venkata Naga Suresh Kumar and  
(3) Shri P. Naga Venkata Poornananda Kumar minor by guardian father P. V. Krishna Rao, Opp. to Maruti Talkies, Convent Street, Vijayawada.
- (2) (1) Shri Kalidas Jeevandas Shah.  
(2) Shri Jayendra Kumar Kalidas Shah.  
(3) Smt. Indumati Jayendra kumar Shah, and
- (4) Mr. Hemantha Kumar Jayendrakumar Shah minor by guardian father Jayendrakumar Kalidas Shah, Gudivadavari Street, Vijayawada-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3275/76 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 413.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-5-7 and 8 situated at Governorpet, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Dr. T. V. G. Krishna Murty, S/o Shri T. V. Chalapati Rao.  
(2) Shri T. V. Seshachalapathi,  
(3) Shri T. V. A. Subrahmanyam and  
(4) Shri T. V. Vijayawada, Minors by guardian Father Shri T. V. G. Krishna Murty, 2-2-647, Central Excise Colony, Bagh Amberpet, Hyderabad-500013.
- (2) (1) Shri Nalam Subba Rao, S/o Late Alwaru,  
(2) Shri N. Radhakrishna Prasad  
(3) Shri N. Srimannarayana.  
(4) Shri N. Sreenivasu.  
(5) Shri N. Venkata Mahesh Kumar, Minors by guardian Father Sri N. Subba Rao, Gopuvari Street, Governorpet, Vijayawada-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3263/76 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the Fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Puvvada Nageswara Rao, S/o Narasimha Murty  
2. Puvvada Laxmi Narasimha Rao, S/o Narasimha Murty, Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Tetali Gollareddy, S/o Ramareddi, Anaparti, Rama chandrapuram Tq.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. file No. 414.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing RS No. 185/3 & 182/1 situated at Medapadu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandapeta on 15-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2477/76 registered before the Sub-Registrar, Mandapeta during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) I, Bonthu Ramamohana Rao, S/o Govinda Setty and his unnamed two sons minor by guardian Father, Bhatlapalem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) I, Peddireddi Suryanarayana, S/o Subbanna 2. Peddireddi Bangaram, S/o Subbanna, Indupalli Sivaru, Bhatlapalem Village, Amalapuram Tq., E.G. Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 8th August 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. file No. 415.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 243/1 situated at Bhatlapalem, Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 1-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4809/76 registered before the Sub-Registrar, Amalapuram during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1977

Seal :



## FORM ITNS

- (1) Shri Atluri Ramachandra Rao, Andhra Fancy & Medical Stores, Besant Road, Governorpeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Vudatha Sriramulu, S/o Seshagirirao, C/o M/s Seetharama Auto Stores, Tarapeta, Vijayawada-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 416.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-20/1-10A situated at Seetharampuram, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 20-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14-226G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3253/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the Fortnight ended on 3-12-1976.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 8-8-1977

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Suryadevara Basavaiah, S/o Seethaiah, C/o Asst. Director of Agriculture, Gandhinagar, Kakinada.

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

- (2) Shri Atluri Ramachandra Rao, C/o Andhra Fancy Stores, Governorpeta, Vijayawada.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 6th August 1977

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. file No. 417.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36-12-10 situated at Shantinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The schedule property as per registered document No. 3194/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-12-1976.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**N. K. NAGARAJAN,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 418.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/21-9-14 situated at Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Namala Gannemma, W/o Late Subba Rao, 6/21-9-14, Raja Ram Mohan Roy Street, Kakinada.

(Transferor)

(2) S. Anantha Rama Rao, S/o Bhoja Rao, Near Madhu Nivas Hotel, Kakinada.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4716/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 419.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6/21-9-14 situated at Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Namala Gannemma, W/o Late Subba Rao, 6/21-9-14, Raja Ram Mohan Roy Road, Kakinada.

(Transferor)

(2) Shrimati S. Prabhavati, W/o Anantha Rama Rao, Near Madhu Nivas Hotel, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4717/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the Fortnight ended on 15-12-1976.

N. K. NAGARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kumari Adireddy Suryakantam, D/o Rama Murty, Suryabagh, Vizag-2.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati U. Nooka Ratnam, W/o Narasimha Murty, 28-13-8A, Suryabagh, Vizag.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 420.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28-13-8A situated at Suryabagh, Vizag,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 10-1-1977,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 31/77 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on January 1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 11th August 1977

Ref. No. Acq. file No. 421.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 119/1 & 2 situated at Rustumbada, Narasapuram Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasapuram on 27-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : —

- (1) 1. Shri Grandi Venkata Swamy, S/o Late Narayana Rao 2. G. Venkatarreddy, S/o Venkata Swamy, Narasapuram.

(Transferor)

- (2) Shri Md. Mastan Shariff, S/o Md. Silar, Rustumbada, Narasapuram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3252/76 registered before the Sub-Registrar, Narsapur during the fortnight ended on 31-12-1976.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pasumarthi Bapi Raju, S/o Venkata Subbarayudu, Gandepalli, Peddapuram Tq.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Punyamurthula Appala Raju alias Raja Babu, 33, Boag Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 17th August 1977

Ref. No. Acq. F. No. 422.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS Nos. 302, 330, 304/2, 264, 304/1 & 263 situated at K. Gopalapuram, Jaggampet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jaggampet on 3-1-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 15/77 registered before the Sub-Registrar, Jaggampeta during the Fortnight ended on 15-1-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1281(590)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City Sur. No. 568, Municipal No. 636, situated at Chhikaniwani Pole, Gomatipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Bipinchandra Bhogilal Patel,  
Adjacent to 'Meghalaya' Flats,  
Stadium Road, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Vinodkumar Poonjalal Patel; and  
(ii) Shri Narendrakumar Poonjalal Patel,  
Chhikaniwani Pole, Gomatipur,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The house building bearing City Survey No. 568 and Municipal C. No. 636, admeasuring 81 sq. yds. i.e. sq. metres 67-72-65 situated at Gomatipur, Chhikaniwani Pole, Ahmedabad as described in sale-deed registered under Registration No. 10134/76 in the month of December, 1976 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1282(591)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 4 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15—226GI/77

(1) Shri Ranjittkumar Ambalal,  
'Kusum Niwas',  
Mithakhali, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.  
C/o. Shri K. D. Patel,  
Mulji Parekhni Pole,  
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 4, admeasuring sq. yards 952, sq. metres 795.98 as described in the sale-deed under Registration No. 9894/76 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1283(592)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to relieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 5 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Ambalal,  
Power of Attorney Holder,  
Shri Ranjitekumar Ambalal,  
'Kusum Niwas',  
Mithakhali, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.  
C/o. Shri K. D. Patel,  
Mulji Parekhni Pole,  
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 5 admeasuring 952 sq. yards 795-98 sq. metres as described in the sale-deed under Registration 9895 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. 23-I-1284(593)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 666-1 Sub-Plot No.1 to 6 Pakki Sub-Plot No. 8 situated at Vadaj, Taluka City District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sailesh Ambalal,  
Power of Attorney Holder,  
Shri Ranjatkumar Ambalal,  
'Kusum Niwas',  
Mithakhali, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.  
C/o. Shri K. D. Patel,  
Mulji Parekhni Pole,  
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad leaving S. No. 666-1, Sub-Plot No.1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 8, admeasuring 952 sq. yards i.e. 795-98 sq. metres as described in the sale-deed under Registration No. 9894/76 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. Acq. 23-I-1285(594)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 1 situated at Vadaj, Taluka, City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kantaben,  
Wd/o Shri Ambalal Lalloobhai,  
Power of Attorney Holder,  
Shri Ranjitkumar Ambalal,  
'Kusum Niwas',  
Mithakhali, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlej Co-op. Housing Society Ltd.,  
C/o. Shri K. D. Patel,  
Mulji Parekhni Pole,  
Vadigam, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad, bearing S. No. 666-1, Sub-Plot No 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 1, admeasuring 952 sq. yards 795-98 sq. metres as described in the sale-deed registered under Registration No. 9897 in the month of December, 1976 by the Registering Officer Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 17th August 1977

No. Acq. 23-I-1286 (095)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 Paiki, Sub-Plot No. 7 situated at Vadaj, Taluka, City, District, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-12-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashwinkumar Ambalal,  
Power of Attorney Holder,  
Shri Ranjitkumar Ambalal,  
'Kusum Niwas',  
Mithakhali, Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Satlaj Co-op. Housing Society Ltd.  
C/o. Shri K. D. Patel,  
Mulji Parckhni Pole,  
Vadigan, Dariapur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Vadaj, Taluka, City, District Ahmedabad, bearing Survey No., 666-1, Sub-Plot No. 1 to 6 paiki, Sub-Plot No. 7 admeasuring 952 sq. yards, i.e. 795.98 sq. metres as described in the sale-deed registered under Registration No. 9898 in the month of December, 1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad,

Date : 17-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Balubhai Nanjibhai Dodya,  
Hazur Place Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Zaverilal alias Natwarlal Jamnadas,  
Shri Jayantilal Jamnadas,  
Add: Soni Bazar, Near Apasara, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1977

Ref. No. Acq.23-I-1248(596)/16-6/75-76.—Whereas, I,  
S. C. PARIKH,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing  
No. Plot No. 10 Paiki, Hazur Palace Land situated at  
Street No. 1, Jayraj Plot, Rajkot  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at  
Rajkot on 2-12-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-  
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring  
132-6-54 sq. yds. bearing Plot No. 10 Paiki, Hazur Palace  
land, situated at Street No. 1, Jayraj Plot, Rajkot as fully  
described in the sale-deed registered vide registration No.  
2856 dated December, 1976, by the Registering Officer,  
Rajkot.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 17-8-1977  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

## FORM ITNS

(1) Shri Abdulsamad Abdullahai Narmawala,  
Kalupur, Sodagarni Pole, Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1977

Ref. No. Acq.23-I-1222(597)/1-1/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 3735 of Kalupur Ward No. 1, situated at in Hawawala Gali No. 4, Sodagarni Pole, Kalupur, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Mahamadsafi Fakir Mahamad,  
2. Shri Usmanbhai Fakir Mahamad,  
Hawawala, Gali No. 4, Sodagarni Pole,  
Kalupur, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing S. No. 3735 of Kalupur Ward No. 1, Ahmedabad and as fully described in the sale deed vide Regn. No. 10034 dated 9-12-1976 registered by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th August 1977

Ref. No. RAC. No. 64/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1-4-71/3 situated at Sharbati Nala Bodhan Nizamabad Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 7-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhikulal Agarwal,  
S/o Shri Ram Kumar Gupta,  
residing at Shivaji Bhavan,  
Kishangunj, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Gupta,  
S/o Shri am Kumar Gupta,  
C/o Ramesh Talkies,  
H. No. 1-4-71/3 Bodhan,  
Nizamabad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 3360 Sq. Yds. bearing Municipal No. 1-4-71/3 situated at Sharbati-Nala, Bodhan, Nizamabad Dist. registered vide Doc. No. 2398/76 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

## Boundaries :

North : Hanuman Talkies.  
South : Meat Market,  
East : Municipal land.  
West : Municipal Road.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-8-1977

Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 65/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-522 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16-226G1/77

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
W/o Shri Sharfuddin Khan,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(2) The Universal Co-operative House Construction Society, Ltd., at Chiragali lane, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-522/2 total area, 169.22 Sq. Mts. situated at Mukarabgunj lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2317/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 66/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5-8-522 situated at Mukrabgunj lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukrabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Universal Co-operative House Construction  
Society, Ltd., H. No. 5-8-521 at Chiragali lane,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-522 situated at Mukrabghung lane, Hyderabad total area, 338.52 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 2318/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Seal :  
Date : 12-8-1977

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 67/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-522/1 situated at Chiragali lane Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Universal Co-operative House Construction  
Society, Ltd., at Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-522/1 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad total area 163-3 Sq. Mts. registered vide Doc. No. 2319/76 in the Office of the Joint Sub-registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 68/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-518, 519 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Taramani,  
W/o Shri Giriraj Goyal,  
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-518 and 519 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad, comprising 194.77 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2320/76 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Taramani,  
W/o Shri Giriraj Goyal,  
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 69/77-78.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. 5-8-520, 520/1 & 520/2 situated at Mukarabjung, lane  
Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at J.S.R. Hyderabad on December 1976,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the pro-  
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor  
by more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Three garages bearing M. No. 5-8-520, 520/1, 520/2  
situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, comprising 130.19  
Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2324/76 in the office of the  
Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 12-8-1977  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
W/o Shri Sharfuddin Khan,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Taramani,  
W/o Shri Giriraj Goyal,  
H. No. 5-3-1053 situated at Shankar bagh,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 70/77-78.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-521 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House bearing M. No. 5-8-521 situated at Mukarabjung lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2322/76 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 71/77-78.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. 5-8-525 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
Registering Officer at  
J.S.R. Hyderabad on December 1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in respect  
of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons namely :—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bai,  
W/o Shri Jagdish Pershad,  
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-525 situated at Mukarabjung  
Lane, Hyderabad comprising 236.00 Sq. Mts. registered vide  
Doc. No. 2321/76 in the office of the Joint Sub-Registrar  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC No. 72/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-524 situated at Mukarabjung, Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R. Hyderabad on December 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
W/o Shri Sharfuddin Khan,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bai,  
W/o Shri Jagdish Pershad,  
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-524 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad, comprising 225.33 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2323/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977  
Seal ;



## FORM ITNS

(1) Smt. Fakrunnisa Begum,  
H. No. 5-8-522 at Mukarabjung lane,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Lakshmi Bai,  
W/o Shri Jagdish Pershad,  
H. No. 21-1-293 at Rikabgunj,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1977

Ref. No. RAC. No. 73/77-78.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 5-8-523 situated at Mukarabjung, lane, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
J.S.R. Hyderabad on December 1976,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
17—226GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing M. No. 5-8-523 situated at Mukarabjung,  
lane, Hyderabad comprising 185.64 Sq. Mets. registered vide  
Doc. No. 2325/76 in the Office of the Joint Sub-Registrar  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1977

Ref. No. RAC No. 74/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dry land, S. No. 11/2 situated at Akkaram pally, Chandra-giri-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathy, on 10-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Adem. Narayanamma,  
W/o Shri Muniswamy Reddy,  
2. Adem Siddamma,  
W/o Chenchu Ramireddy,  
3. Adem Raghuramireddy,  
all three residing at Akrapally,  
Post, Chendragiri-Tq. Chittoor-Dist.  
(Transferor)
- (2) Smt. Mudugupally, Padmayathamma,  
W/o Narsimhaloo Naidu,  
R/o Damara, Street, Thirumala-post Thirupathy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Survey No. 11/2 situated at Akrapally, Chendragiri-Tq. Chittoor-Dist. total area 22 Acs. registered vide Document No. 3825/76 in the Office of the Sub-Registrar Thirupathy.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th August 1977

Ref. No. RAC No. 75/77-78.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 13/482/H. 13/483 situated at Y.V. Street, Cuddapah.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Cuddapah on 16-12-1976  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) K. V. L. Narasibhulu Chetty,  
R/o Bacherao Street, Cuddapah.

(Transferor)

(2) Amaraswamy Ramesh Babu,  
S/o Subbaraidu,  
R/o Y. V. Street, Cuddapah.

(Transferee)

\*(3) 1. Bata Shoe, Co.,  
2. Sudarshan Chit Fund,  
3. Dawood Tailor,  
all residing at H. No. 13/482/H. and 13/483  
at Y.V. Street, Cuddapah.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Door Nos. 13/482/H. and 13/483 at Y.V. Street, Cud-  
dapah, registered vide Document No. 5780/76 in the Office  
of the Sub-Registrar Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-8-1977  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th August 1977

Ref. No. RAC No. 76/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21-2-639, 640 situated at Urdu Shareef, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, on 1-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Iqbal Hussain,  
2. Ahdaz Hussain,  
3. Saad Hussain,  
4. Khaleequnnisa Begum,  
5. Laiqunnisa Begum,  
6. Rafecqunnisa Begum,  
all 6 residing at H. No. 21-2-640 at Urdu Shareef, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mali Ram,  
S/o Sagar Mal and  
Sri Ramesh Chand,  
S/o Sagarmal,  
both residing at H. No. 2-2-769 at Urdu Shareef, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storeyed building M. No. 21-2-639 and 640 situated at Urdu Shareef (Hyderabad, comprising 432.85 Sq. Yads. registered vide Doc. No. 553/76 in the Office of the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th August 1977

Ref. No. 124-A/Acq/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Meerut on 8-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Natthu  
S/o Shri Ram Niwas,  
R/o Vill. Jajokhar P.O. Khas, Parg. & Teh. and  
Dist. Meerut.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Karan Singh, Magan Singh, Prem Singh,  
Ss/o Shri Umrao Singh,  
R/o Vill. Jajokhar, P.O. Khas,  
Dist. Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agri. land measuring 7 Bighas, 2 Biswa and 19 Biswansi, situated at Vill. Jajokhar, Teh. & parg. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 42,885/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1977

Ref. No. 122-A/Acq/Meerut/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sardhana on 31-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Veerpal Singh S/o Devi Singh R/o Village Chiraudi, Parg. Daurala, Teh. Sardhana, Distt Meerut, (Transferor)

2. Shri Gopi Chand, Brahm Singh, sons of Mamraj, Residents of Village Chiraudi, Parg. Daurala, Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring about 12 Bighas, situated at Village Chiraudi, Teh. Sardhana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 18,000/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 11th August 1977

No. 189/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old Khata No. 1494 and New Khata No. 9102 site No. 353, situated at 5th Block, Chitradurga Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chitradurga, under Document No. 1136 on 5-11-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Rangappa S/o Doddathimanna,
  - (2) Shri Krishnappa S/o Rangappa,
  - (3) Shri Rangappa Minor Guardian by Grand father Shri Mahaingappa,
- All resident of Kallahalli Village, Hiriya Taluk, Dist. Chitradurga.

(Transferor)

- (2) Shri T. G. Rajashekarappa S/o G. Iswar, Kukibai village, Hireguntanur Hobli, Chitradurga Taluka, Now as Assistant Engineer, K.E.B., Hosadurga (Distt. Chitradurga).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open space and building situated at Venkateshpura 5th Block, Chitradurga Town, bearing old khata No. 1494 and new khata No. 9102, site No. 353.

D. C. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Dated 11-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri H. P. Padmanabhaiah S/o H. P. Paswanathaiah  
K. R. Puram, Northern Extension, Hassan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. H. R. Kasturibai W/o H. S. Ravikumar  
Subhas Chowk, Hassan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th August 1977

No. 187/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 170/A, situated on the way of Railway Station Road, Hassan City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hassan, under Document No. 4390 on 1-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property consists of house and open space situated on the way of Railway Station Road, Hassan bearing Municipal No. 170/A.

Plinth area of the Building :

60'×35'=2100 sq. ft. 50 per cent share.

Open site :

60'×132'=7320 sq. ft. 50 per cent share.

D. C. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 4-8-1977.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri H. P. Jayaraj S/o H. P. Pawanathaiah,  
Northern Extension, Hassan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri H. R. Sanjay S/o H. S. Ravikumar, Subhas  
Chowk, Hassan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th August 1977

No. 188/77-78/Acq.-Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal No. 170, situated on the way of Railway Station Road, Hassan City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hassan, under Document No. 4393 on 1-12-1976,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-226G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property consists of house and open space situated on the way of Railway Station Road, Hassan bearing Municipal No. 170.

Plinth area of the building :

60' x 35' = 2100 sq. ft. 50 per cent share.

Open site :

60' x 132' = 7320 sq. ft. 50 per cent share.

D. C. RAJAGOPALAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Dated : 6-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. C. M. Thacore and Smt. Josephine Thacore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) India Every Home Crusade.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Dr. C. M. Thacore and Smt. Josephine Thacore.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 11th August 1977

Ref. No. 11-I/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow situated at 3-Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-12-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A double storeyed house measuring 13990 Sq. fts. situated at 3, Bishop Rockey Street, Faizabad Road, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ramkrishna Dawn.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Kumar Dawn.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1977

Ref. No. AC-5/R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 86, 292, 253, 538, situated at Islaband, Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 15-12-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mouza Islabad, P. S. and District Burdwan, Khata Nos. 86, 292, 253, 538 plot Nos. 31, 33, 34, 35, 36, 37, 103, 104, 105, containing 4.53 acres of land and building, Rice Mill etc. thereon as mentioned in the deed no. 9468 of 1976, Dist. Sub-Registrar, Burdwan.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, IV, Calcutta.

Dated : 3-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. United Industries (Cochin) Ltd, Cochin-5.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. International Fisheries Ltd, Bombay-23.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.  
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 9th August 1977

Ref. No. L.C. 145/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Rameswaram and Mattancherry villages, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 14-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 acre 25 293/500 cents in Sy. No. 569/5, 570, 571, 1446/1 and 2 and 1166 of Rameswaram village, Cochin taluk.

15 cents 40 sq. links in Sy. No. 774/2, 774/3, 775/3, 1305 and 1308 of Mattancherry village, Cochin taluk with building-vide Schedule to Document No. 3021/76.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 9-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Sindro d/o Shri Tara Singh,  
R/o village and P.O. Gurdas Nangal.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jagir Singh and Kashmir Singh S/o Shri Teja Singh of village Gurdas Nangal.

(Transferee)

- (3) As at S. No. above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. GSP/16/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at 1 K. M. from VIII, Japuwal on west side, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurdaspur in Feb on 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land measuring 36Ks. situated at 1 K.M. from village Japuwal on west side as mentioned in the registered deed No. 7035 of February 1977 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. GSP/17/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at village Jogi Cheema, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in February 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Tara Singh S/o Shri Santa Singh, Village, Jogi Cheema.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Lal S/o Shri Munshi Ram of Qadian,  
(Transferee)
- (3) As at S. No. above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 46Ks. 9Ms. situated at Village Jogi Cheema as mentioned in the registered deed no. 6569 of February 1977 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. ASR/19/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops and land situated at Katra Sher Singh Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in Dec. 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Rattan Chand,  
R/o G. T. Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Manoharwati Shri Jatinder Nath Puri, Mrs. Jyoti Puri Shri Brahm Nath Puri, Katra Sher Singh, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops and land at Katra Sher Singh Amritsar as mentioned in the registered deed no. 1169 of December 1976 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. ASR/18/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35 situated at Model Town Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in Dec. 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagat Inder Singh s/o Shri Gurdial Singh  
R/o 35, Model Town, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sham Dass s/o Shri Ishar Dass Shri Kewal Krishan S/o Shri Shri Sham Dass, 35, Model Town, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 35 Model Town, Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 1171 of December 1976 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1977

Ref. No. ASR/15/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 71 situated at Joshi Colony, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in Dec. 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—226GI/77

- (1) Shri Krishan Kishore S/o Shri Dina Nath,  
R/o Katra Khazana, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Harish Kumar and Ramesh Kumar Ss/o Shri Hans Raj and Shri Hans Raj S/o Shri Mani Ram  
R/o Katra Hari Singh BZ. Bahianwala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 71 Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1095 of December 1976 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 10-8-1977  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 11th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/880.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (i) Corpn. No. B-3/98, B-98/A, B-3/98-B, B-3/132 and B-3/133 in Mohalla Shivala, Varanasi, (ii) All that Kachcha House (Mud Built), covered with tiles alongwith (Bari) Garden Bearing KH. No. 940/3 measuring 0.28 decimals in Village Menora, Jashpur P.C. No. 45, R.I.C. Jashpur, Distt. Raigarh (M.P.) situated at Varanasi and Raigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raigarh on 3-1-1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maharaja Kumar Dilip Singh Deo S/o Maharaja Vijay Bhushan Singh Deo of Jashpur.
- (2) Maharaja Vijay Bhushan Singh Deo of Jashpur self and as guardian of,
- (3) Yuvraj Ran Vijay Pratap Singh Deo.
- (4) Rajkumar Vikramaditya Singh Deo S/o Late Yuvraj Upendra Singh Deo.
- (5) Kumari Mrinalini Singh Deo D/o Late Yuvraj Upendra Singh Deo,

All R/o Jashpur Nagar, Distt. Raigarh (M.P.).

(Transferor)

- (2) M/s Shashikant Shantu Bhai Patel and Co., a Partnership Firm situated at Mohalla Raja Darwaza Varanasi Through its Partners 1. Shri Pannalal Patel, 2. Shri Jash Bhai Patel, 3. Shri Kanti Bhai Patel, 4. Shri Shantu Bhai Patel, All major sons of Shri Chhota Bhai Patel, Residing at Bramhapuri, Choukhamba, Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (i) Corporation No. B-3/98, B-98/A, B-3/98-B, B-3/132 and B-3/133 in Mohalla Shivala, Varanasi.
- (ii) All that Kuchcha House (Mud Built) covered with tilas along with (Bari) Garden, Berink Kha. No. 940/3 measuring 0.28 decimals in village-Manora, Jashpur P.C. No. 45, R.I.C. Jashpur, Distt-Raigarh (M.P.).

R. K. BALI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. R. K. Puri and M/s. Kwaliti Farm, Aundh,  
Poona-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Western Hatcheries Pvt. Ltd., 1258, J. M. Road,  
Poona-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—ACQUISITION RANGE, 60/61,  
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

Poona-411 004, the 11th August 1977

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. CA/5/Feb. 77/Haveli-II/336/77-78.—Whereas,  
I, Smt. P. LALWANI,  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43  
of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that the immovable property having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Gat No. 1008, 1009, 1011, 1013 and 1014 situated at  
Naigaon, Tal. Haveli,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Haveli II, on 15-2-1977,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Gat No. 1008, 1009, 1011, 1013 and 1014 at Naigaon,  
Tal. Haveli, admeasuring 6 acres 24 gunthas along with  
structures.

(Property as described in the sale deed under No. 157  
dated 15-2-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,  
Poona).

SMT. P. LALWANI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61,  
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411 004, the 11th August 1977

Ref. No. CA5/Thana/April '77/335.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 3 of CTS No. 67, Tikka No. 22, situated at Naupada, Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thana on 12-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baburao Santaji Khapre, Kolhaur Baug, Kopri Road, Thana.

(Transferor),

(2) Pankaj Co-operating Housing Society Ltd., Behind Gokhale Road Post Office, Brahmin Society, Naupada, Thana-400 602.

(Transferee),

- (3) (1) Shri S. B. Khapre,
- (2) Shri V. H. Thosar,
- (3) Shri B. B. Jain,
- (4) Mrs. A. S. Jaywant,
- (5) Shri V. B. Khapre,
- (6) Shri N. D. Tanwar,
- (7) Mrs. S. S. Newalkar,
- (8) Mrs. C. S. Pawar,
- (9) Shri G. S. Gangal,
- (10) Shri S. R. Choksi,
- (11) Shri K. G. Sane,
- (12) Shri P. K. K. Nambiar,
- (13) Mrs. G. D. Daga,
- (14) Shri R. I. Kolhatkar,
- (15) Shri D. S. Daga,
- (16) Mrs. V. V. Darne,
- (17) Shri V. V. Sahasrabudhe.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 of CTS No. 67 Tikka No. 12 admeasuring 678 sq. yds. with structures, which is bounded as under:—  
Towards North : Property of Shri Khapre,  
Towards South : Property of Nishigand Co-op. Housing Society, 10 ft. wide passage.  
Towards East : Property of Lokeshwala Co-op. Housing Society.  
Towards West : Property of Shri Savle.  
(Property as described in the sale deed registered under No. 81 dated 12-4-77 in the office of the Sub-Registrar, Thana).

SMT. P. LALWANI,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Dated : 11-8-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Chandrabai w/o Fulchandji Sethi,  
At. Khurai (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) Shri Purshottamdas Motilal, Saboo  
Cir. 9/14, Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.

## GOVERNMENT OF INDIA

(ii) Shri Rajendrakumar Heeralal Saboo  
Cir. 9/14, Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NAGPURObjections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned :—

Nagpur, the 11th August 1977

Ref. No. IAC/ACQ/43/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-  
VASTAVA,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
House No. 1555, Area 2436 sq. ft. W. No. 36/21 Cir. No.  
9/14 Shahid Chowk, Itwari, Nagpur  
situated at Itwari, Nagpur(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Nagpur on 17-12-1976 for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Two storied House, No. 1555, Cir. No. 9/14, W. No.  
36/21 Area 2436 Sqr. ft., Shahid Chowk, Itwari, Nagpur.  
dated 11-8-1977.

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, NagpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 11-8-1977

Seal :

